सांध्य दैनिक 4PM

भगवान मूर्तियों में नहीं है। आपकी अनुभूति आपका ईश्वर है। आत्मा आपका मंदिर है।
-चाणक्य

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 80 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 24 अप्रैल, 2024

लखनऊ ने चेन्नई को उसके घर... 7 | यूपी की कुछ सीटों पर क्यों है... 3 | यूपी में इंडिया गठबंधन में उम्मीदवारी... 2

संपत्ति बंटवारे के बाद अब विरासत पर सियासत

पित्रोदा के बयान पर बीजेपी भड़की

चुनावों में तेज हुए एक-दूसरे पर हमले

» कांग्रेस ने निजी राय बता झाड़ा पल्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज दूसरे चरण का चुनावी प्रचार थम जाएगा। इस बीच नेताओं का एक दूसरे पर तीखे प्रहार जारी है। कल पीएम मोदी के संपत्ती बंटवारे के बयान पर कांग्रेस के हमले के बाद आज विरासत कर को लेकर बीजेपी ने कांग्रेस को घेर लिया। दरअसल कांग्रेस ओवरसीज के नेता सैम पित्रोदा ने देश में संपति के पुनर्वितरण की कांग्रेस की कथित योजना का समर्थन करने के लिए अमेरिका के विरासत कर प्रावधानों का हवाला दिया था।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में एक विरासत कर है जिसके अनुसार सरकार किसी व्यक्ति की संपत्ति में 55 प्रतिशत हिस्सेदारी का दावा करने की हकदार है जबकि मालिक केवल 45 प्रतिशत हिस्सेदारी अपने बच्चों या परिवार को हस्तांतरित कर सकता है। हालांकि बाद में कांग्रेस ने पित्रोदा के बयान से अपने को अलग कर लिया और उनके बयान को निजी राय बताकर खारिज कर दिया।

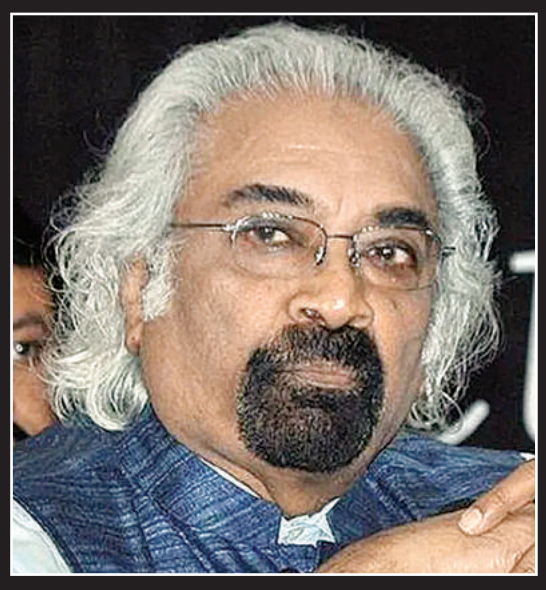

पित्रोदा की राय पार्टी की स्थिति को प्रतिबिंबित नहीं करती : जयराम

कांग्रेस ने बुधवार को इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा के उस बयान से खुद को अलग कर लिया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने अपनी पार्टी का बचाव करते हुए कहा कि पित्रोदा की राय पार्टी की स्थिति को प्रतिबिंबित नहीं करती है। रमेश ने एक्स पर एक नोट पोस्ट किया सैम पित्रोदा मेरे सहित दुनिया भर के कई लोगों के लिए एक गुरु, मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक रहे हैं। उन्होंने भारत के विकास में कई स्थायी योगदान दिए हैं। वह इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष हैं। श्री पित्रोदा स्वतंत्र रूप से अपनी राय व्यक्त करते हैं निश्चित रूप से, लोकतंत्र में एक व्यक्ति अपने व्यक्तिगत विचारों पर चर्चा करने, व्यक्त करने और बहस करने के लिए स्वतंत्र है। इसका मतलब यह नहीं है कि श्री पित्रोदा के विचार हमेशा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थिति को दर्शाते हैं नहीं। अब उनकी टिप्पणियों को सनसनीखेज बनाना और उन्हें संदर्भ से बाहर करना श्री नरेंद्र मोदी के दुर्भावनापूर्ण और शरारती चुनाव अभियान से ध्यान हटाने का जानबूझकर और हताश प्रयास है, जो केवल झूठ और अधिक झूठ पर आधारित है।

कांग्रेस ने भारत को नष्ट करने का फैसला किया : भाजपा

पित्रोदा का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के कुछ ही क्षण बाद, भाजपा के आईटी सेल अमित मालवीय ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि सबसे पुरानी पार्टी ने देश को नष्ट करने का फैसला किया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कांग्रेस ने भारत को नष्ट करने का फैसला किया है। अब, सैम पित्रोदा संपत्ति के पुनर्वितरण के लिए 50प्रतिश विरासत कर की वकालत करते हैं।

बेनकाब हो गई कांग्रेस पार्टी : अमित शाह

अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सैम पित्रोदा के बयान के बाद पूरी तरह बेनकाब हो गई है। सबसे पहले घोषणापत्र, फिर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का पुराना बयान कि हम देश के संसाधन पर सबसे पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का मानते हैं और अब इनके घोषणापत्र बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले सैम पित्रोदा का बयान कि संपत्ति के बंटवारे पर विचार होना चाहिए। जब प्रधानमंत्री मोदी ने यह मुद्दा उठाया तो राहुल गांधी, सोनिया गांधी और पूरी कांग्रेस बैकफूट पर आ गई है कि उनका यह मकसद नहीं है।

जो अपने को देशभक्त कहते हैं, वह जाति जनगणना से डरे हैं : राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को अपनी संपत्ति सर्वेक्षण टिप्पणी पर यू-टर्न लिया और कहा कि वह केवल यह जानना चाहते थे कि देश कितना अन्याय झेल रहा है। दिल्ली के जवाहर भवन में पार्टी के सामाजिक न्याय सम्मेलन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, मैंने अभी तक यह नहीं कहा है कि हम कार्रवाई करेंगे। मैं सिर्फ यह कह रहा हूं कि आइए पता करें कि कितना अन्याय हुआ है। पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने कहा देखिए, जैसे ही मैंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्या प्रतिक्रिया दी, आइए देखें कि कितना अन्याय हुआ है। वे कह रहे हैं कि यह देश को तोड़ने का प्रयास है। एक्स-रे (धन सर्वेक्षण) के माध्यम से, हमें समस्या पता चल जाएगी। राहुल गांधी ने जोर देकर कहा, जो लोग खुद को देशभक्त कहते हैं, वे जाति जनगणना के एक्स-रे से डरे हुए हैं और कहा कि कोई भी ताकत इसे नहीं रोक सकती। गांधी ने यह भी कहा कि 90 प्रतिशत आबादी के लिए न्याय सुनिश्चित करना उनके जीवन का मिशन है, जिनके खिलाफ अन्याय हुआ है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया, 90 फीसदी भारतीयों के साथ अन्याय हो रहा है। जैसे ही मैंने इस अन्याय को रोकने का आह्वान किया, प्रधानमंत्री और भाजपा ने मुझ पर हमला करना शुरू कर दिया। गांधी ने कहा, जैसे ही हमारी सरकार बनेगी, सबसे पहला काम जाति जनगणना किया जाएगा।

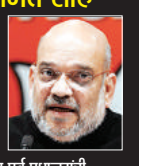

चुनाव आयोग पर 'सुप्रीम' सवालों की बौछार

» ईवीएम-वीवीपैट पर चल रही सुनवाई

» कोर्ट ने पूछा- डाटा कितने दिन सुरक्षित रखते हैं?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने आयोग से पूछा था प्लान

बता दें कि इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार (18 अप्रैल) को ईवीएम-वीवीपैट मामले पर सुनवाई की थी। इस दौरान देश की शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से कहा था कि चुनावी प्रक्रिया में पवित्रता होनी चाहिए। आयोग से सवाल किया गया कि वह स्वतंत्र और निष्पक्ष इलेक्शन करवाने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में विस्तार से बताए। तब जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा था, यह (एक) चुनावी प्रक्रिया है. इसमें पवित्रता होनी चाहिए. किसी को भी यह आशंका नहीं होनी चाहिए कि जिस चीज की उम्मीद की जा रही है, वह नहीं हो रही।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार (24 अप्रैल, 2024) को ईवीएम-वीवीपैट मामले में चुनाव आयोग से कुछ और स्पष्टता मांगी है। चुनाव आयोग के अधिकारी से अदालत ने दोपहर 2 बजे जवाब देने को कहा है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने जानना चाहा कि माइक्रो कंट्रोलर कंट्रोल यूनिट में होता है या वीवीपैट में, माइक्रो कंट्रोलर वन टाइम प्रोग्रामेबल होता है या उसे दोबारा प्रोग्राम कर सकते हैं, आपके पास सिंबल लोडिंग यूनिट कितने हैं, आप डेटा 30 दिन सुरक्षित रखते हैं या 45 दिन और ईवीएम की तीनों यूनिट की क्या एक साथ सीलिंग होती है या कंट्रोल यूनिट और वीवीपैट को अलग रखा जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में 18 अप्रैल को सुनवाई पूरी कर ली थी। याचिकाओं में सभी 11पैट पर्चियों को गिनने की मांग की गई है। कोर्ट ने चुनाव आयोग के लिखित जवाब और एफएक्यू को देखने के बाद कुछ और पहलुओं को समझने की जरूरत मानी है। इसका मतलब यह नहीं है कि फैसला आज ही 2 बजे आ जाएगा।

आज थम जाएगा दूसरे चरण का चुनाव प्रचार

» प्रह्लाद जोशी, हेमा मालिनी, राहुल गांधी समेत कई दिग्गजों का भविष्य दांव पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

13 राज्यों की 88 लोस सीटों पर 26 अप्रैल को मतदान

लोकसभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण के लिए मतदान का काउंटडाउन शुरू हो गया है। बुधवार की शाम को सेकेंड फेज के लिए चुनाव प्रचार खत्म होगा। इसके 48 घंटे के बाद यानी 26 अप्रैल को मतदान होगा। इस दौरान 13 राज्यों की 88 लोकसभा सीटों पर मतदान किया जाएगा। इन सभी सीटों पर चुनाव नतीजे चार जून को आएंगे।

नई दिल्ली। दूसरे चरण के लिए मतदान करवाने के लिए चुनाव आयोग भी पूरी तरह से तैयार है। मतदान शांति पूर्ण और निष्पक्ष तरीके से हो, इसकी पूरी तैयारी है। इस चुनाव में कई दिग्गजों का भविष्य भी दांव पर लगा हुआ है।

इसमें बीजेपी के प्रह्लाद जोशी, हेमा मालिनी, ओम बिरला, अरुण गोविल, नवनीत राणा, महेश शर्मा का नाम शामिल हैं, जिनकी सीटों पर मतदान किया जाना है। वहीं कांग्रेस के शशि थरूर की सीट तिरुवनंतपुरम और राहुल गांधी की सीट केरल के वायनाड में भी इस चरण में मतदान होगा।

यूपी में इंडिया गठबंधन में उम्मीदवारी पर भ्रम!

» दूसरे चरण का चुनाव प्रचार चरम पर

» रायबरेली व अमेठी में अब भी प्रत्याशी घोषित नहीं कर पा रही कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दूसरे चरण का प्रचार अभियान आज थम जाएगा। सारे सियासी दल कमर कसने में जुट गए है। यूपी में इंडिया गठबंधन की सीटों पर उब भी उम्मीदवारों व उम्मीदारी को लेकर अभी भी उठापटक जारी हैं। जहां कांग्रेस रायबरेली व अमेठी में अब भी प्रत्याशी घोषित नहीं कर पार ही है। जबकि इन जगहों पर स्थानीय कार्यकर्ता अपने-अपने चहेतों को प्रत्यशी बनाकर पोस्टर लगा रही है। वहीं सपा में कई सीटों पर बार-बार प्रत्याशी बदलने की चर्चा खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। दरअसल, एक बार फिर यूपी की कन्नौज सीट से प्रत्याशी बदलने की चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है। 22 अप्रैल को समाजवादी पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की थी, इस लिस्ट में दो उम्मीदवारों के नाम थे।

जिसमें कन्नौज सीट से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने परिवार के सदस्य और लालू प्रसाद यादव के दामाद तेज प्रताप यादव को मैदान में उतारा था, जबकि बलिया लोकसभा सीट से सनातन पांडेय को टिकट दिया गया था। फ्लैशबैक में जाएं तो अखिलेश यादव ने मैनपुरी के करहल से विधायक बनने के बाद आजमगढ़ लोकसभा सीट से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष का पद खुद संभाला। चाचा शिवपाल के साथ आने के बाद नेता प्रतिपक्ष के पद को लेकर कयासबाजी शुरू हुई, लेकिन वे अपने फैसले पर अडिग रहे। लोकसभा चुनाव के दौरान उनके आजमगढ़ या कन्नौज से मैदान में उतरने की संभावना जताई जा रही थी, लेकिन आजमगढ़ से धर्मेंद्र यादव और कन्नौज से तेज प्रताप यादव को उम्मीदवार घोषित कर उन्होंने इन संभावनाओं पर विराम लगा दिया था। सपा नेतृत्व के नजदीकी सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के स्थानीय कार्यकर्ता और नेता अखिलेश यादव के ही कन्नौज से चुनाव लड़ने की मांग कर रहे थे। उन्होंने अखिलेश यादव से अपना फैसला बदलने की गुजारिश की है। इसके चलते अखिलेश यादव ने खुद चुनाव लड़ने का फैसला लिया। हालांकि समाजवादी पार्टी की ओर से इसकी आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई है। माना जा रहा है कि अखिलेश यादव 25 अप्रैल को कन्नौज सीट से नामांकन दाखिल कर सकते हैं। इससे पहले खबर यह थी कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। इसके पीछे सियासी निहितार्थ हैं। वह उत्तर प्रदेश में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभाना चाहते हैं और 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए यूपी में बने रहना चाहते हैं।

कन्नौज से अखिलेश के चुनाव लड़ने की मांग

अमेठी और गौरीगंज में लगे वाड्रा के पोस्टर

अमेठी के सियासी रण का रोमांच हर दिन बढ़ रहा है। कांग्रेस सपा गठबंधन से अभी तक दावेदार का एलान नहीं किया गया है। कांग्रेसियों का दावा है कि 26 अप्रैल के बाद राहुल गांधी यहां आएंगे, लेकिन, बुधवार की सुबह एक नया नजारा देखने को मिला। गौरीगंज कस्बे समेत कांग्रेस कार्यालय पर एक पोस्टर लगाया गया है, जिसमें लिखा है कि अमेठी की जनता करे पुकार, रार्बट वाड्रा अबकी बार। यह पोस्टर गौरीगंज में कांग्रेस कार्यालय के साथ ही पूरे कस्बे में लगाए गए हैं। दरअसल, बीते चार अप्रैल को रार्बट वाड्रा का एक बयान आया था कि अमेठी के लोग चाहते हैं कि मैं अपना पहला राजनीतिक कदम अमेठी में रखूं और यहां से सांसद बनूं। क्योंकि 1999 के चुनाव में प्रियंका के साथ जब चुनाव प्रचार किया तो वह अमेठी ही था। उस समय की राजनीति अलग थी। वाड्रा के इस बयान के बाद अब गौरीगंज में जगह-जगह पोस्टर लगने से सियासत तेज हो गई है। इसकी खास वजह यह है कि कभी गांधी परिवार के गढ़ माने जाने वाले अमेठी में वर्ष 2019 के चुनाव में कांग्रेस राहुल गांधी को भाजपा की स्मृति ज़ूबिन इरानी ने 55 हजार 120 मतों के अंतर से हरा दिया था। अब जब 2024 के लिए चुनाव की रणभेरी बज चुकी है। ऐसे में अभी तक कांग्रेस ने प्रत्याशी नहीं घोषित किया है। सबसे ज्यादा चर्चा कांग्रेस प्रत्याशी को लेकर हो रही है। पहले रार्बट वाड्रा का बयान और अब पोस्टर लगाए जाने के पीछे का निहितार्थ तलाशने की कवायद चल रही है।

चौथे चरण की 13 सीटों के लिए अबतक 80 प्रत्याशी मैदान में

लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में 13 सीटों के लिए अब तक 80 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किये गये। मंगलवार को 35 प्रत्याशियों ने नामांकन किया। इसके पहले 45 प्रत्याशियों ने नामांकन किया था। दरौली विधानसभा उप निर्वाचन के लिए मंगलवार को एक प्रत्याशी ने नामांकन किया। इसके पहले दो प्रत्याशियों ने नामांकन किया था। मंगलवार को शाहजहांपुर सीट के लिए तीन प्रत्याशियों ने नामांकन किया। खीरी लोकसभा सीट के लिए अब तक 04 प्रत्याशियों ने नामांकन किया। धौरहरा से तीन प्रत्याशियों ने नामांकन किया। सीतापुर से 5 प्रत्याशियों ने नामांकन किया। हरदोई (अजा) लोकसभा सीट के लिए दो प्रत्याशियों ने नामांकन किया। मिश्रिख (अजा) से एक, उन्नाव से तीन, फर्रूखाबाद से तीन, इटावा (अजा) से तीन, कन्नौज से तीन, कानपुर लोकसभा से छह, अकबरपुर से दो, बहराइच से एक और दरौली से एक ने नामांकन किया।

भाजपा की कथनी व करनी में अंतर नहीं : राजनाथ सिंह

» कांग्रेस-सपा और बसपा का नारा- चुनाव खत्म तो वादा खत्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्रेटर नोएडा/नोएडा। नोएडा में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्षी गठबंधन इंडिया पर करारा हमला बोला है। भाजपा नेता ने कहा कि नोएडा दूसरी सरकारों के नेताओं और अधिकारियों के लिए भ्रष्टाचार का केंद्र था। लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह भ्रष्टाचार का केंद्र नहीं बल्कि बिजनेस सेंटर के रूप में उभरा है। पहले यहां अपराधियों का खौफ और उनका ही बोलबाला होता था। लोग एवं उद्योग यहां से पलायन कर रहे थे, लेकिन यह अब गुजरे जमाने की बात हो गई है। अब नोएडा को पर्यटन और कानून के लिए जाना जाता है।

सीएम योगी के नेतृत्व में भारत समेत दुनिया के लिए निवेश का केंद्र बन रहा है। जेवर एयरपोर्ट का सबसे पहले हमने प्रस्ताव रखा था, लेकिन दूसरी सरकारों ने इसे पास नहीं किया और ठंडे बस्ते में डाल दिया। ये बातें रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने गौतमबुद्ध नगर जिले के दादरी के बिसाहडा में आयोजित जनसभा में कहीं।

आज विकास उत्तर प्रदेश की पहचान

रक्षामंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की डबल इंजन सरकार में उनके संकल्प से ही जेवर में एयरपोर्ट जमीन पर उतर पाया है। आज विकास उत्तर प्रदेश की पहचान है। हिंदुस्तान में पहले उत्तर प्रदेश की गरीब राज्यों में गिनती होती थी, लेकिन मोदी और योगी ने कुछ ही वर्षों में यूपी को गरीब राज्यों की श्रेणी से बाहर कर एक बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में खड़ा किया है। अब भारत में यूपी आर्थिक राजधानी के रूप में अर्थव्यवस्था का पांचवां केंद्र बन गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस-सपा-बसपा की हालत खराब है, उनके द्वारा किए गए वादे पूरे नहीं किए गए। उनका नारा था चुनाव खत्म तो वादा भी खत्म, लेकिन भाजपा ऐसा नहीं करती। भाजपा की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है।

जेल में केजरीवाल को दी जा रहीं यातनाएं : संजय

» बोले- 23 दिनों से उन्हें इंसुलिन क्यों नहीं दी गई थी

» केजरीवाल की 7 मई तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को तिहाड़ जेल में गिरफ्तारी के बाद पहली बार इंसुलिन देने के बाद अब आम आदमी पार्टी लगातार ईडी, जेल प्रशासन और भाजपा पर निशाना साध रही हैं। आप से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल को इंसुलिन दी जा चुकी हैं। जिसकी हम मांग कर रहे थे। उन्होंने सवाल करते हुए पूछा कि आखिर बीते 23 दिनों से उन्हें इंसुलिन क्यों नहीं दी गई थी।

हम पूछना चाहते हैं कि क्या यह अरविंद केजरीवाल को मारने की साजिश थी। दिल्ली की तिहाड़ जेल अरविंद कजेरीवाल के लिए आज यातना गृह बन चुका है। 24 घंटे उन्हें पीएमओ और एलजी की निगरानी में रखा जा रहा है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री की न्यायिक हिरासत अवधि सात मई तक बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने यह आदेश पारित किया। अदालत ने केजरीवाल को 7 मई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है। केजरीवाल को 21 मार्च को ईडी ने धनशोधन मामले में गिरफ्तार किया था।

जेल प्रशासन को राजनीति से मतलब नहीं: महानिदेशक (जेल)

अरविंद केजरीवाल के स्वास्थ्य पर तिहाड़ जेल के महानिदेशक (जेल) संजय बेनीवाल ने कहा कि खाना हमारे यहां समय पर दिया जाता है। अदालत आदेश के चलते इन्हें घर से खाना आता है। जिसकी जांच में पांच से सात मिनट का समय लगता है। हमारे यहां लगभग 900-1000 कैदियों को मधुमेह है। हम जिनका प्रबंधन कर रहे हैं। मेरे लिए ये मुद्दे नहीं है। लेकिन अगर लोग राजनीति के लिए ऐसे मुद्दे उठा रहे हैं, मुझे इसमें शामिल नहीं होना है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

गड़बड़ा गया है मोदी जी का मानसिक स्वास्थ्य : बघेल

» पूर्व पीएम मनमोहन पर टिप्पणी पर किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। राजनांदगांव लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह पर की गई टिप्पणी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की और कहा कि पीएम मोदी का मानसिक स्वास्थ्य गड़बड़ा गया है, कोई भी संतुलित व्यक्ति उनके जैसा नहीं बोलेगा।

बघेल का बयान मोदी द्वारा राजस्थान में एक चुनावी रैली में कांग्रेस के घोषणापत्र की योजनाओं को देश के संसाधनों पर अल्पसंख्यकों को प्राथमिकता देने के पूर्व पीएम के 2006 के बयान से जोड़ने के बाद आया है। पीएम मोदी ने 21 अप्रैल को एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर आरोप लगाया था कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो वह लोगों की संपत्ति जब्त करने के लिए संपत्ति सर्वेक्षण कराएंगे और उनकी जीवन भर की बचत छीन लेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस राज में आपका मंगलसूत्र सुरक्षित नहीं रहेगा।

यूपी की कुछ सीटों पर क्यों है असमंजस

कैसरगंज में प्रत्याशी पर सियासी दलों में चुप्पी

» बृजभूषण को लेकर फंसी भाजपा
» सपा व बसपा ने भी नहीं खोले पत्ते
» अमेठी व रायबरेली पर कांग्रेस में माथापच्ची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में पहले चरण की वोटिंग हो चुकी है। सभी दल अपने-अपने जीत का दावा कर रहे हैं। अब सारी सियासी पार्टियां दूसरे चरण की तैयारी में जुट गई हैं। कुछ सीटों पर घोषित प्रत्याशी बदले जा रहे हैं। बीजेपी, कांग्रेस से लेकर सपा व बसपा सभी दम लगा रह हैं। कुछ सीटों पर तो आसानी से प्रत्याशी उतार दिए जा रहे हैं पर कुछ सीट जैसे , रायबरेली, अमेठी व कैसरगंज अब भी किसी भी प्रमुख पार्टी की ओर से उम्मीदवार घोषित नही किया है पर सूत्रों से जानकारी मिल रही है जल्द ही यहां उम्मीदवार की घोषणा कर दी जाएगी। इसी के चलते इस सीट पर बीजेपी ने भी अपने पत्ते नहीं खोले हैं। वहीं अमेठी में भी कांग्रेस के लिए ऊहापोह बनी हुई। वहां कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के लड़ने की चर्चा जोरों पर है। उधर वहां बीजेपी की वर्तमान सांसद स्मृति ताल ही नहीं ठोक रही है बल्कि काम के नाम पर वोट भी घूम-घूम कर मांग रही हैं। सबसे ज्यादा किसी सीट पर सबकी नजर है तो वह है कैसरगंज की। वहां पर वर्तमान में बृजभूषण शरण सिह बीजेपी सांसद हैं। पर जबसे वह महिला पहलवानों के शोषण मामले में न्यायलय के जद में हैं उन पर बीजेपी कोई फैसला नही ले पा रही है।

इसका सबसे बड़ा कारण ये सीटें हाई प्रोफाइल है।

इनमें रायबरेली कांग्रेस की परंपरागत व गांधी परिवार की लोक सभा सीट है यहां से इंदरा गांधी व सोनिया गांधी लगातार चुनाव लड़ती रही व जीततीं रहीं है। अब चूकि सोनिया राजस्थान से रास पहुंच गई हैं ऐसे यहां पर कांग्रेस ने अभी उम्मीदवार

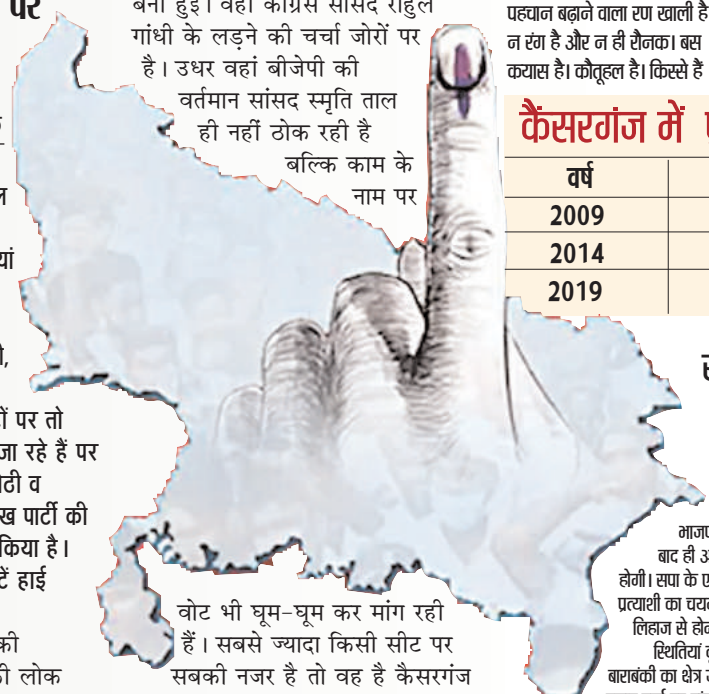

कैसरगंज पर भाजपा ने रोके कदम... सपा-बसपा भी चुप

सरयू की लहरों से जवां कैसरगंज संसदीय क्षेत्र की आंखें थक गईं हैं। सियासत में कभी हनक रखने वाले क्षेत्र के मैदान में सूनापन सबको अखर रहा है। नेताओं के कद की पहचान बढ़ाने वाला रण खाली है। न रंग है और न ही रौनक। बस कयास है। कौतूहल है। किस्से हैं और करामात की उम्मीद भी। नहीं है तो बस कोलाहल। वक्त की मार और चुनावी समीकरण की साध देखिए कि यहां के लिए दलों को लड़के ही खोजे नहीं मिल रहे। हर बार जारी होने वाली सूची में दावेदार तय होने की चर्चा होती है, लेकिन हाथ लगता है इंतजार। टिकट के इस दांव से दबदबे का दम ही घुटने लगा है। भाजपा ने तो मानों कदम ही रोक रखे हैं, लेकिन सपा व बसपा को भी कुछ सूझ नहीं रहा, जबकि तीनों दलों में लड़के दस्तक दे चुके हैं। पर तौर नहीं मिल रही है। कैसरगंज का मैदान अभी टिकट के दांव में ही उलझा हुआ है।

कैंसरगंज में प्रमुख राजनीतिक दलों का वोट प्रतिशत

वर्ष	चुनाव	भाजपा	सपा	बसपा	कांग्रेस
2009	लोस	21.3	34.7	21.9	12.9
2014	लोस	40.4	32.2	15.5	6.1
2019	लोस	60	नहीं लड़े	33	3.8

समीकरण में भाजपा का दांव अहम

कैसरगंज का समीकरण ऐसा है कि भाजपा से प्रत्याशी तय होने के बाद ही अन्य दलों की राह आसान होगी। सपा के एक नेता कहते हैं कि यहां प्रत्याशी का चयन स्थानीय समीकरण के लिहाज से होना है। 2009 के पहले की स्थितियां दूसरी होती थी, उस समय बाराबंकी का क्षेत्र जुड़ा था। ऐसे में सपा बेनी प्रसाद वर्मा पर दांव चलती थी।2009 के बाद तरबगंज, करनैलगंज, कटरा व पयागपुर जुड़ जाने से नया समीकरण बना है। ऐसे में भाजपा की चाल से ही पार्टी प्रत्याशी तय करेगी। भाजपा ने क्षत्रिय दिया तो सपा ब्राह्मण प्रत्याशी उतारेगी। बसपा के बारे में भी चर्चा है कि वह भी भाजपा व सपा के कदमों पर निगाह टिकाए है। फिलहाल प्रत्याशी तय न होने से चुनावी माहौल से उल्लास नदारद है।

विधायकों भी शांत, देखो व इंतजार की मुद्रा में

कैसरगंज संसदीय क्षेत्र में पांच विधानसभाएं हैं, जिनमें चार विधायक भाजपा के व एक सपा के हैं। प्रत्याशी तय न होने से विधायकों ने भी चुप्पी साध रखी है। वह कुछ बोलने से भी कतरा रहे हैं। पार्टी लाइन से हटकर कहीं कोई बात न हो जाए। इससे कुछ बोलते नहीं बन रहा। टिकट में देरी पर हाईकमान की दुहाई देकर लोगों को आश्वासन की घुट्टी दे रहे हैं। भाजपा के तो दो विधायकों का नाम ही दावेदारों में चल रहा है, जिससे वह अलग ही धर्मसंकट में फंसे हैं। ऐसे में वह भी चाहते हैं कि जल्दी टिकट घोषित हो जाए तो उनको राहत मिले। यही हाल भाजपा व सपा के जिम्मेदार नेताओं का भी है। जनता के बीच जाने पर हो रहे टिकट के सवाल को पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों के बहाने टरका रहे हैं।

बृजभूषण शरण सिंह ने तोड़ी चुप्पी

कैसरगंज से भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने टिकट न मिलने का ठीकरा मीडिया पर फोड़ा है। उनका कहना है कि मीडिया की वजह से उन्हें अब तक टिकट नहीं मिला। उन्होंने कहा- हम भाजपा से बड़े नहीं हैं। टिकट के सवाल पर बोले- हो सकता है कि इसके पीछे भाजपा की कोई रणनीति हो।वह सोमवार को मनकापुर राजघराने के कुंवर विक्रम सिंह के निधन पर शोक जताने मंगल भवन पहुंचे थे। सांसद ने कुंवर विक्रम के परिजनों से मुलाकात की। इसके बाद मीडिया से मुखातिब हुए। कहा कि टिकट मिलना न मिलना हमारी चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि मैंने कभी मजहब के आधार पर राजनीति नहीं की। सन 1989 में समाजवादी पार्टी की सरकार थी। मुलायम सिंह उस वक्त मुख्यमंत्री थे। अयोध्या में विवादित ढांचा विध्वंस होने पर सबसे पहले मुझे गिरफ्तार किया गया था। सीबीआई ने भी सबसे पहले अरेस्ट किया था। लेकिन इन सबके बावजूद जब तक मुलायम सिंह यादव जिंदा रहे उनसे अच्छे संबंध रहे। हर बात राजनीति से जोड़कर नहीं देखनी चाहिए। टिकट के सवाल पर कहा कि यह हमारी चिंता है, आपकी नहीं। राहुल गांधी व अखिलेश यादव पर बोलने से सांसद बचते नजर आए।

सीतापुर में बसपा की नजर कुर्मी वोट पर

» हाथी पर सवार नहीं हो सका दलित प्रत्याशी
» अपने दम पर मायावती जंग जीतने को तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीतापुर। दलित वोट बैंक के सहारे सियासत में गहरी पैठ बनाने वाली बसपा ने सीतापुर संसदीय सीट पर इस बार भी दलित कार्ड नहीं खेला है। बसपा मुखिया यहां सोशल इंजीनियरिंग के फार्मूले को टिकट का आधार बनाती रही हैं। पिछड़ा तो कभी मुस्लिम वर्ग पर बसपा दांव लगाती रही है। डेढ़ दशक तक सीतापुर सीट पर काबिज रहने वाली बसपा ने इस बार पूर्व विधायक महेंद्र यादव को प्रत्याशी बनाकर एक तीर से कई निशाने साधे हैं। बसपा का यह दांव कितना कारगर रहेगा, इसका पता चार जून को चल सकेगा। सीतापुर संसदीय सीट पर 1989 में पहली बार बसपा ने चुनाव लड़ा। इसमें बसपा ने सय्यद नासिर को प्रत्याशी बनाया।

पहले ही चुनाव में हाथी ने दमदार प्रदर्शन करते हुए 1,16,680 मतों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। 1991 के चुनाव में बसपा के अजीज खान 35,670 मतों के साथ पांचवें नंबर पर रहे। 1996 के चुनाव में बसपा ने प्रत्याशी बदल दिया, इस बार प्रेमनाथ वर्मा पर दांव खेला। बसपा ने इस चुनाव में फिर ताकत दिखाई। बसपा प्रत्याशी प्रेमनाथ 1,17,791 मत हासिल कर तीसरे नंबर पर रहे। प्रेमनाथ पर 1998 में फिर बसपा ने भरोसा जताया। इस चुनाव में 1,88,954 मत पाकर प्रेमनाथ वर्मा रनर रहे। भाजपा के जनार्दन मिश्र से 27,920 मतों के अंतर से बसपा यह चुनाव हार गई। यहां से बसपा ने 1999 में जीत का स्वाद चखा। बसपा ने सोशल इंजीनियरिंग का फार्मूला अपनाते हुए हाथी का महावत राजेश वर्मा को बनाया। पहली बार सीतापुर सीट पर बसपा का खाता खुला और एससी व पिछड़ा वर्ग के मतों के सहारे राजेश वर्मा ने 2,11,120 वोट हासिल करते हुए हाथी को दिल्ली पहुंचा दिया। 2004 के चुनाव में भी राजेश वर्मा ने सीट पर कब्जा बरकरार रखा। 2009 के चुनाव में बसपा ने यहां से हाथी का महावत बदल दिया, लेकिन पुराना इतिहास दोहराते हुए मुस्लिम वर्ग से कैसरजहां पर फिर दांव खेला। कैसरजहां ने मुस्लिम व एससी वोट बैंक के सहारे जीत दर्ज की। इस चुनाव में कैसरजहां को 2,41,106 मत मिले थे। 2014 में कैसरजहां 3,66,519 पाने के बाद भी चुनाव हार गईं। वे रनर रहीं। 2019 में बसपा ने ब्राह्मण कार्ड खेला। बसपा-सपा गठबंधन प्रत्याशी के तौर पर नकुल दुबे को मैदान में उतारा। नकुल दुबे 4,13,695 मतों के साथ दूसरे नंबर पर रहे। इस बार बसपा अकेले चुनाव लड़ रही है। अबकी बसपा ने महेंद्र यादव को प्रत्याशी बनाकर मुकाबला त्रिकोणीय बनाने की राह पर मजबूती से कदम बढ़ा दिया है। भाजपा ने राजेश वर्मा पर तीसरी बार भरोसा जताया है। जबकि कांग्रेस-सपा गठबंधन से पूर्व विधायक राकेश राठौर मैदान में हैं।

सोशल इंजीनियरिंग का फार्मूला अपनाया

सीतापुर सीट पर 1999 से 2009 तक लगातार तीन बार जीत दर्ज करने के पीछे बड़ी वजह बसपा की सोशल इंजीनियरिंग रही है। दो बार कुर्मी बिरादरी के राजेश वर्मा और एक बार मुस्लिम वर्ग की कैसरजहां के सहारे हाथी ने सीतापुर से दिल्ली का सफर तय किया है। एक बार फिर बसपा सोशल इंजीनियरिंग के फार्मूले से जीत की संभावना तलाश रही है। बसपा ने सीतापुर सीट पर 2019 में एक बार ब्राह्मण कार्ड भी खेला। मगर यह दांव कारगर साबित नहीं रहा। सपा से गठबंधन के बाद भी नकुल दुबे को एक लाख से अधिक मतों के अंतर से करारी मात खानी पड़ी।

चुनाव का गणित

सीतापुर लोकसभा क्षेत्र में लगभग 28.1 फीसदी एससी-एसटी मतदाता हैं। यह वर्ग बसपा का कैडर वोट बैंक माना जाता है। इसके अलावा करीब 27.9 फीसदी पिछड़ा वर्ग, 23 फीसदी सामान्य एवं 21 फीसदी मुस्लिम मतदाता है। दलित व पिछड़ा वर्ग के मतदाता को बसपा अपने पाले में करने की कोशिश में है।

इसबार महेंद्र के जरिए भाजपा व सपा में सेंधमारी की कवायद

पूर्व विधायक महेंद्र यादव के जरिए भाजपा व सपा में सेंधमारी करने की कवायद बसपा करेगी। दरअसल, महेंद्र यादव 2017 में बिसवां विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के टिकट पर विधायक बने थे। 2022 में टिकट कटने के बाद भी भाजपा में पूरी ऊर्जा के साथ सक्रिय रहे। लिहाजा, भाजपा में सेंधमारी का रास्ता जरूर तलाशेंगे। वहीं, यादव बिरादरी से होने के कारण सपा के परंपरागत वोटबैंक में सेंध लगाने की हर मुमकिन कोशिश रहेगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

एशियाई देशों पर बढ़ रहा बाढ़ का खतरा !

अभी पिछले हफ्ते दुबई में भारी बारिश से जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। इस अद्भुत मौसम के कहर को वैज्ञानिक जलवायु परिवर्तन को कारण मान रहे हैं। ये मौसमी घटना एक चेतावनी है कि हम प्रकृति के साथ कितनी छेड़खानी कर रहे हैं। ऐसे में अब यह सवाल उठता है इसे रोकने की जिम्मेदारी किसकी है। प्रथम दृष्टया इसे रोकने की पूरी जिम्मेदारी विश्व के हर एक नागरिक की है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि बीते साल एशिया में जलीय-मौसम संबंधी 79 आपदाएं आईं। इनमें 80 फीसदी आपदाएं बाढ़ और तूफान से जुड़ीं थी। इनके चलते बीते साल एशिया में दो हजार से ज्यादा लोगों की जान गई और 90 लाख लोग प्रभावित हुई। जलवायु परिवर्तन का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है, लेकिन विश्व मौसम विज्ञान संगठन का कहना है कि जलवायु परिवर्तन का सबसे ज्यादा असर एशियाई देशों पर पड़ रहा है। इसी वजह से साल 2023 में एशिया दुनिया में सबसे ज्यादा आपदाओं से प्रभावित इलाका रहा। बाढ़ और चक्रवाती तूफान के चलते एशिया में बीते साल बड़े पैमाने पर लोगों की जान गई और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने एशिया की जलवायु-2023 नाम से एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि उत्तर पश्चिमी प्रशांत महासागर के पानी का तापमान रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ रहा है, यहां तक कि आर्कटिक क्षेत्र में भी समुद्री गर्म हवाएं चल रही हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के महासचिव केलेस्टे साउलो ने बताया कि एशिया के कई देशों में साल 2023 रिकॉर्ड स्तर पर गर्म रहा। इसके साथ बाढ़, सूखा, तूफान और गर्म हवाओं का असर देखने को मिला। जलवायु परिवर्तन से एशिया में आपदा आने की रफ्तार कई गुना बढ़ गई है। जिसका असर हमारे समाज पर आर्थिक नुकसान, मानव जीवन के नुकसान और पर्यावरण पर पड़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2023 1991-2020 के औसत तापमान की तुलना में 0.91 डिग्री ज्यादा गर्म रहा। वहीं 1961-1990 के औसत तापमान की तुलना में 1.87 डिग्री सेल्सियस ज्यादा गर्म रहा। जापान और कजाखस्तान में रिकॉर्ड गर्मी पड़ी। भारत भी इससे अछूता नहीं है। भारत के लोगों को भी सजग रहने की जरूरत है। भारत में इस समय कई पहाड़ी क्षेत्रों में भारी वर्फबारी हो रही है। उससे भी आम-जनजीवन मुश्किल में पड़ जाता है। वहीं पिछले कुछ सालों में देखने को आया है कि हर मौसम असंतुलन दिखाई देता है। ठंड में शीत लहर के कहर से लोग दुबकने को मजबूर होते हैं तो बारिश में बाढ़ की चपेट में आकर जान गवां देते हैं।

“ प्रथम दृष्टया इसे रोकने की पूरी जिम्मेदारी विश्व के हर एक नागरिक की है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि बीते साल एशिया में जलीय-मौसम संबंधी 79 आपदाएं आईं। इनमें 80 फीसदी आपदाएं बाढ़ और तूफान से जुड़ीं थी। इनके चलते बीते साल एशिया में दो हजार से ज्यादा लोगों की जान गई और 90 लाख लोग प्रभावित हुई।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जलाने के बजाय आजमाएं प्राकृतिक समाधान

पंकज चतुर्वेदी

कुछ माह पहले जो समाज हवा की गुणवत्ता खराब होने के चलते हरियाणा-पंजाब के किसानों को पराली जलाने के लिए दोष दे रहा था, वह अब वैसा ही काम करके खुद का नुकसान कर रहा है। दिल्ली का विस्तार कहलाने वाला गाजियाबाद जिला भले ही आबादी के लिहाज से हर साल विस्तार पा रहा है लेकिन जानकर आश्चर्य होगा कि अभी तक यहां नगर निगम के पास कूड़ा निस्तारण की कोई जगह नहीं है। चूंकि महानगर के बड़े हिस्से में अभी भी खुलापन, पेड़, हरियाली और बगीचे मौजूद हैं तो जगह-जगह सूखे पत्तों का ढेर लगा रहता है। हर कॉलोनी में इनके निस्तारण के लिए आग लगाना आम बात है। गाजियाबाद केवल एक उदाहरण है, दिल्ली से जितनी दूरी बढ़ती जाएगी सूखे पत्तों को फूंकने की लापरवाही भी बढ़ेगी। कुछ लोगों के लिए ये झड़े पत्ते महज कचरा हैं और वे इसे समेट कर जलाने को परंपरा, मजबूरी, मच्छर मारने का तरीका जैसे नाम देते हैं। असल में यह न केवल गैरकानूनी है, बल्कि प्रकृति पर अत्याचार भी है।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने सन् 2016 में सख्त लहजे में कहा था कि पेड़ों से गिरने वाली पत्तियों को जलाना दंडनीय अपराध है व प्रशासनिक अमला यह सुनिश्चित करे कि आगे से ऐसा न हो। इस बारे में समय-समय पर कई अदालतें व महकमें आदेश देते रहे हैं, लेकिन कानून के पालन को सुनिश्चित करने वाली संस्थाओं के पास इतने लोग व संसाधन नहीं हैं कि हरित न्यायाधिकरण के निर्देश का शत-प्रतिशत पालन करवा सके। कुछ साल पहले दिल्ली में एक सांसद की सरकारी कोठी में पत्तियां जलाने पर मुकदमा दायर हुआ था, उसके बाद दिल्ली में तो इस विषय में जागरूकता और सतर्कता है। लेकिन कई जगह तो नगर को साफ रखने का जिम्मा निभाने वाले स्थानीय निकाय खुद ही कूड़े के रूप में पेड़ से गिरी पत्तियों को जला देते हैं। असल में पत्तियों को जलाने से उत्पन्न प्रदूषण तो खतरनाक है ही, सूखी पत्तियां कई मायनों में बेशकीमती भी हैं। प्रकृति के विभिन्न तत्वों का संतुलन बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

सूखी पत्तियां जलाने से इंसान कई बीमारियों को न्योता देता है। गिरी हुई पत्तियों को जलाने के दौरान अल्पकालिक और दीर्घकालिक संपर्क से अस्थमा के दौरे, दिल के दौरे और कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता का

खतरा भी बढ़ सकता है। दिल्ली हाईकोर्ट दिसंबर, 1997 में ही आदेश पारित कर चुका था कि पत्तियों को जलाने से गंभीर पर्यावरणीय संकट पैदा हो रहा है, इसलिए इस पर पूरी तरह पाबंदी लगाई जाये। सन् 2012 में दिल्ली सरकार ने पत्ते जलाने पर एक लाख रुपये जुर्माने व पांच साल तक की कैद का प्रावधान किया था। लेकिन एक तो ऐसे मामलों की कोई शिकायत नहीं करता, दूसरे पुलिस भी ऐसे पचड़ों में फंसती नहीं। यह भी कि स्थानीय निकाय के लोग खुद ऐसी हरकतें करते हैं। ऐसे में जाने-अनजाने पूरा समाज वातावरण में जहर घोलने के कार्य में शामिल है। दिल्ली एनसीआर की आबोहवा इतनी दूषित हो चुकी है कि पांच साल के बच्चे तो इसमें स्वस्थ जी नहीं सकते हैं। दस लाख से अधिक बच्चे हर साल सांस की बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। प्रदूषण कम करने के विभिन्न कदमों के तहत हरित न्यायाधिकरण ने पाया कि महानगर में बढ़ रहे पीएम यानी पार्टिकुलेट मैटर का 29.4 फीसदी कूड़े व उसके साथ पत्तियों को जलाने से उत्पन्न हो रहा है। पेड़ की हरी पत्तियों में पाया जाने वाला क्लोरोफिल वातावरण में मौजूद जल-कणों को हाइड्रोजन व आक्सीजन में विभाजित कर देता है। हाइड्रोजन वातावरण में मौजूद जहरीली गैस कार्बड डाइआक्साइड के साथ मिलकर पत्तियों के लिए शर्करायुक्त भोजन उपजाती है। जबकि आक्सीजन तो प्राण वायु है ही। जब पत्तियों का क्लोरोफिल चूक जाता है तो उसका हरापन समाप्त हो जाता है व वे पीली या भूरी पड़ जाती हैं। हालांकि ये पत्तियां पेड़ के लिए भोजन बनाने के लायक नहीं रह जाती हैं लेकिन उसमें नाइट्रोजन, प्रोटीन, विटामिन, स्टार्च व शर्करा आदि का खजाना होता है। ऐसी पत्तियों को जब जलाया जाता है तो कार्बन, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन व कई बार सल्फर से बने रसायन उत्सर्जित होते हैं।

इसके कारण वायुमंडल की नमी और आक्सीजन तो नष्ट होती ही है, कार्बन मोनोआक्साइड, नाइट्रोजन आक्साइड, हाइड्रोजन सायनाइड, अमोनिया, सल्फर डाइआक्साइड जैसी दम घोटने वाली गैस वातावरण को जहरीला बना देती हैं। अनुमान है कि दिल्ली एनसीआर में दो हजार हेक्टेयर से ज्यादा इलाके में हरियाली है व इससे हर रोज 200 से 250 टन पत्ते गिरते हैं और इनका बड़ा हिस्सा जलाया जाता है। एक बात और, पत्तों के तेज जलाने की तुलना में उनके धीरे-धीरे सुलगने पर ज्यादा प्रदूषण फैलता है।

किताबों में विज्ञान की सांस मानवता की आस

रेनू सैनी

प्रारंभ से अभी तक विश्व में अनेक आविष्कार हुए हैं। उन आविष्कारों ने न केवल मानव का अपितु पूरे ब्रह्मांड का कायापलट कर दिया है। अनेक अति महत्वपूर्ण आविष्कारों में से एक आविष्कार है कलम और पुस्तक। कलम की धार जहां सबसे अधिक तीव्र मानी जाती है, वहीं पुस्तक का स्वर सबसे अधिक तीखा। वे हमसे और आपसे बातें भी करती हैं। पुस्तकों की आवाज वहां तक पहुंचती है, जहां तक कोई आवाज नहीं पहुंच पाती। आदित्य रहबर ने अपनी कविता 'किताबें' में लिखा है कि—

'किताबों का अलग एक अपना धर्म होता है
जहां विज्ञान सांस लेता है, मानवता मुस्कराती है।'

पुस्तकें व्यक्ति के अंतर्मन और व्यक्तित्व को पूरी तरह संवार देती हैं। पढ़ना एक छेनी की तरह है। छेनी का प्रयोग पत्थर की आकृति को संवारने में किया जाता है। अगर छेनी का प्रयोग न किया जाए तो पत्थर किसी कलाकृति और आकृति में न ढल पाए। उसी तरह यदि पुस्तकें न होतीं तो व्यक्ति का व्यक्तित्व खुरदरा ही रहता। पुस्तकें पढ़ने से व्यक्ति का खुरदरा व्यक्तित्व चिकना होता है। अबिगैल वैन बुरेन से गंभीर पाठक अवश्य परिचित होंगे। उन्हें 'प्रिय एब्बी' के नाम से भी जाना जाता है। वे एक मार्गदर्शन प्रदान करने वाला कॉलम लिखा करती थीं। उनका यह मार्गदर्शन वाला कॉलम 50 से भी अधिक वर्षों से चल रहा है। उनके उस कॉलम को पढ़कर अनेक लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। एक बार उनसे कहा गया कि यदि आपको युवाओं को कोई सलाह देने के लिए कहा जाए तो आप उन्हें क्या सलाह देंगी? इस पर वे मुस्कराते हुए बोलीं, 'यदि मैं युवाओं को सलाह दूंगी तो यह है पढ़ो, पढ़ो, पढ़ो! पढ़कर आप वास्तविक और काल्पनिक संसारों के लिए द्वार खोल देंगे। जानकारी के लिए पढ़ें, आनंद के लिए पढ़ें। हमारे पुस्तकालय ज्ञान तथा आनंद से भरे हुए हैं और यह सब यहां पर मौजूद हैं। जो व्यक्ति पढ़ता नहीं है, वह उस व्यक्ति से बेहतर स्थिति में नहीं है, जो पढ़ नहीं सकता।'

पुस्तकें जीवन का ऐसा हथियार हैं जो मुसीबत और समस्याओं के सामने सर्वोत्तम हथियार साबित होती हैं। पुस्तकें बोलती हैं क्योंकि इनको पढ़ने वाले व्यक्ति के व्यक्तित्व में गजब का सकारात्मक परिवर्तन आ जाता है। पुस्तकों से बातें करने वाला व्यक्ति समाज को ऐसे मार्ग पर ले जाता है जहां पर समाज सुखद परिवर्तनों से चौंक उठता है। यशोदा, उत्तर प्रदेश स्थित कौशांबी गांव से है। उनका परिवेश पूरी तरह से हिन्दी था। उन्होंने 12वीं कक्षा हिन्दी माध्यम से पास की थी। बचपन से ही यशोदा को पढ़ने का बहुत शौक था। किताबों के इस शौक ने यशोदा को न केवल मुसीबतों से उभारा, बल्कि उसके अंदर एक ऐसा हुनर भी उत्पन्न किया जिससे गांव वाले दांतों तले अंगुली दबाते रह गए। लगभग 28 वर्षीय यशोदा विवाहित है। पहले यशोदा ग्रामीण बहुओं की तरह रहकर अपने सास-ससुर की सेवा करती थी। एक दिन उनके पति राधे सड़क दुर्घटना के शिकार हो गए। वे दिहाड़ी मजदूर थे। उनके बिस्तर में पड़ने से रोजी-रोटी की दिक्कतें बढ़ गईं। घर का गुजारा चलाना मुश्किल हो गया। अब परिवार क्या करे? ऐसे में यशोदा ने पुस्तकों के माध्यम से स्वयं को निखारा। उसने बहुत सोचा-विचारा कि आखिर अपने पुस्तक प्रेम से वह कैसे रोजगार की तलाश पूर्ण करे?

एक दिन उसने अपने आसपास देखा तो पाया कि वहां की बालिकाएं और युवा अंग्रेजी से बहुत झिझकते थे। बस यशोदा को राह मिल गई और वे इस राह पर चल पड़ी। किसी को कुछ सिखाने से पहले उसमें स्वयं प्रवीण होना अनिवार्य है। ऐसे में यशोदा ने कमर कस ली। उन्होंने अंग्रेजी की पुस्तकें एवं समाचार-पत्र पढ़ने आरंभ कर दिए। अनेक पुस्तकें ऑनलाइन ऑर्डर कर उनको पढ़ा। पुस्तकें पढ़ने के बाद उन्होंने अंग्रेजी बोलने और लिखने का अभ्यास किया। अंग्रेजी बोलने वाले वीडियो लगातार सुने। जब उन्हें लगा कि अब वे अपने कार्य में कुशल हो गई हैं तो उन्होंने गांव की बच्चियों और विद्यार्थियों को अंग्रेजी की कक्षाएं देनी आरंभ कर दीं। उन्होंने अपना अंग्रेजी सिखाने का यूट्यूब चैनल भी खोल लिया। कुछ ही समय बाद उनका गांव प्रसिद्ध हो गया। जब लोगों ने यह देखा कि एक ग्रामीण बहू घूंघट में अंग्रेजी बोलती है तो सभी ने दांतों तले अंगुली दबा ली। यशोदा का कहना है कि, 'यदि पुस्तकें मेरी मित्र नहीं होतीं तो मैं कभी भी अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाती। आज मैं जो कुछ भी हूं वह सिर्फ पुस्तकों के कारण हूं।' यशोदा के गांव में अब सभी शिक्षा और पुस्तकों के महत्व को समझ गए हैं।

लैकोरडेयर का कहना है कि, 'जीवन को सुखी बनाने के लिए केवल तीन चीजें आवश्यक हैं—ईश्वर की कृपा, पुस्तकें और एक मित्र।' जो व्यक्ति पुस्तकों की आवाज सुनता है, उनको गुनता है उस पर ईश्वर की कृपा स्वयंमेव ही हो जाती है। इसके साथ ही उसके अच्छे मित्र भी बन जाते हैं क्योंकि ज्ञानवान और विवेक व्यक्ति का साथ सभी पसंद करते हैं। पुस्तकें बोलती हैं, बातें करती हैं और राह दिखाती हैं। यदि आपने अभी तक पुस्तकों से बातें करना आरंभ नहीं किया है तो देर मत कीजिए। आज और अभी किसी भी पुस्तक को उठाइए, उसे खोलिए और पढ़ना आरंभ कर दीजिए। पुस्तक पढ़ने के बाद आप पाएंगे कि आपके ज्ञान चक्षु पूरी तरह खुल गए हैं।

विटामिन-सी से है भरपूर

कीवी में विटामिन-सी की उच्च मात्रा में होती है, ये पोषक तत्व आपकी कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव डैमेज से बचाने में मदद करता है और शरीर में कई अन्य महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि कीवी खाने से आपकी इम्युनिटी काफी मजबूत होती है। लो विटामिन सी स्तर वाले 15 पुरुषों पर किए गए एक अध्ययन से पता चला कि 6 सप्ताह तक प्रति दिन एक कीवी खाना स्वस्थ विटामिन सी का स्तर बनाने में पर्याप्त था। विटामिन सी ऊर्जा पैदा करने और आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने, आपकी त्वचा को बेहतरीन दिखने के लिए आवश्यक पोषक तत्व देने और आयरन अवशोषण में सुधार करने के लिए जाना जाता है। यह आवश्यक पोषक तत्व उन कई कारणों में से एक है जिनकी वजह से कीवी फल स्वस्थ जीवन जीने का एक पौष्टिक और स्वादिष्ट हिस्सा है।

न्यूट्रोफिल भी बढ़ाता है

न्यूट्रोफिल एक प्रकार की श्वेत रक्त कोशिका है, जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली का महत्वपूर्ण भाग है। यह कोशिकाएं संक्रमण से लड़ने में मदद करती हैं। यदि रक्त परीक्षण में न्यूट्रोफिल की संख्या में उतार-चढ़ाव आता है तो इसका अर्थ यह है कि आपके शरीर में कोई संक्रमण है। प्रतिरक्षा कार्य के लिए शरीर में विटामिन-सी का स्तर ठीक बनाए रखना महत्वपूर्ण है। अध्ययन से पता चलता है कि 4 सप्ताह तक प्रतिदिन दो कीवी खाने से विटामिन-सी का स्तर बढ़ सकता है और ये लो विटामिन सी स्तर वाले पुरुषों में न्यूट्रोफिल नामक प्रतिरक्षा कोशिकाओं के कार्य में भी सुधार करता है।

फायदे

अध्ययनों में भी पाया गया है कि कीवी अत्यधिक पौष्टिक होने के साथ विभिन्न प्रकार के विटामिन्स-खनिजों और फाइबर से भरपूर होते हैं। इनमें विशेष रूप से विटामिन-सी प्रचुर मात्रा में होता है, जो प्रतिरक्षा स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। विटामिन-सी प्रभावी एंटीऑक्सीडेंट के रूप में काम करता है जो शरीर को कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों से बचाने में मददगार हो सकता है। सभी लोगों को रोजाना आहार में एक कीवी जरूर खाना चाहिए।

इम्युनिटी बढ़ाने और विटामिन-सी के लिए खाएं

कीवी

इम्युनिटी मजबूत मतलब संक्रामक रोगों का खतरा कम। यही कारण है कि कोरोना महामारी के दौरान सभी लोगों को इम्युनिटी बढ़ाने वाले उपाय करते रहने की सलाह दी जा रही थी। वैसे तो रोग प्रतिरोधक क्षमता का निर्माण सतत प्रक्रिया है यानी कि इसके लिए आपको नियमित रूप से प्रयास करते रहने की जरूरत होती है। लाइफस्टाइल और आहार को ठीक रखने से इम्युनिटी को मजबूत बनाने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा कुछ प्रकार के फलों के सेवन को इम्युनिटी सिस्टम के लिए काफी लाभप्रद माना जाता रहा है। कीवी ऐसा ही एक फल है, जो विटामिन-सी जैसे प्रभावी एंटीऑक्सीडेंट का अच्छा स्रोत तो है ही साथ ही इसमें प्लांट बेस्ड पोषक तत्वों की भी भरपूर मात्रा होती है जो आपके शरीर को अंदर से मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

प्लांट बेस्ड पोषक तत्वों का है स्रोत

एंटीऑक्सीडेंट पोषक तत्व विटामिन-सी और विटामिन-ई के अलावा, कीवी को प्लांट बेस्ड पोषक तत्वों का भी उत्कृष्ट स्रोत माना जाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि इसमें कैरोटीनॉयड भी अच्छी मात्रा में पाया जाता है, ये तत्व हृदय रोग सहित कुछ स्वास्थ्य समस्याओं से बचाने में मदद कर सकता है। अध्ययनों की समीक्षा में पाया गया कि कैरोटीनॉयड, विटामिन सी और विटामिन-ई वाली चीजें हृदय रोग, कैंसर और समय से पहले मृत्यु का कारण बनने वाली बीमारियों से आपको बचाने में मददगार हैं।

हंसना मना है

भक्त : बाबा पढ़ा लिखा हूं पर नौकरी नहीं मिलती क्या करूं? बाबा : कहां तक पढ़े हो? भक्त : बाबा मैने बीए किया है! बाबा : एक बार और बीए कर लो, दो बार करने से बाबा बन जाओगे फिर तुम्हें नौकरी की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

पप्पू लड़की देखने गया, पप्पू : कितने तक पढ़ी हो, लड़की : बीए तक। पप्पू ने शादी से मना कर दिया और बोला, दो अक्षर पढ़ें हैं वो भी उल्टे।

एक रात एक घर में चोर घुस आया। खटपट सुनकर मालिक की आंख खुल गई। मालिक : कौन है? चोर : म्याऊं। मालिक : कौन है? चोर : म्याऊं। मालिक : कौन है? चोर : अबे बिल्ली हूं बिल्ली।

टीचर : पानी में रहने वाले 5 जानवरों के नाम बताओ? पप्पू : मेंढ़क, टीचर : और, पप्पू : उसकी मां, बाप, बहन और भाई! टीचर गुस्से से लाल पीली हो गई।

पप्पु : मेरा एक पडोसी है जिसका नाम भगवान है और उसकी बेटी का नाम पूजा है। मम्मी कहती थी कि भगवान की पूजा में मन लगाया कर। अब मम्मी को कैसे बताऊं कि पूजा में तो मन लग गया है लेकिन भगवान नहीं मान रहा।

कहानी — बैल और शेर

एक जंगल में तीन बैल रहा करते थे। तीनों आपस में अच्छे मित्र थे। वो घास चरने के लिए जंगल में एक साथ ही जाया करते थे। उसी जंगल में एक खूंखार शेर भी रहता था। इस शेर की कई दिनों से इन तीनों बैल पर नजर थी। वह इन तीनों को मारकर खा जाना चाहता था। उसने कई बार बैलों पर आक्रमण भी किया, लेकिन बैलों की आपसी मित्रता के कारण वो कभी सफल नहीं हो पाया। जब शेर उन पर हमला करता था, तो तीनों बैल त्रिकोण बनाकर अपने नुकीले सींगों से अपनी रक्षा करते थे। तीनों बैल साथ मिलकर कई बार शेर को भगा चुके थे, लेकिन शेर कैसे भी करके उन तीनों को खाना चाहता था। शेर यह समझ गया था कि जब तक ये तीनों साथ रहेंगे, इन्हें मारा नहीं जा सकता है। इसलिए, उसने एक दिन इन तीनों को अलग करने के लिए एक चाल चली। शेर ने बैलों को अलग करने के लिए जंगल में एक अफवाह उड़ा दी। अफवाह यह थी कि इन तीनों बैलों में से एक बैल अपने साथियों को धोखा दे रहा है। बस फिर क्या था, बैलों के बीच इस बात को लेकर शक बैठ गया कि आखिर वो कौन है, जो हमें धोखा दे रहा है? एक दिन इसी बात को लेकर तीनों बैलों में झगड़ा हो गया। शेर ने जो सोचा था, वो हो गया था। अब तीनों बैल अलग-अलग रहने लगे थे। उनकी दोस्ती टूट चुकी थी। अब वो अलग-अलग होकर जंगल में चरने जाने लगे थे। बस शेर को इसी मौके का इंतजार था। शेर ने एक दिन उन तीनों बैलों में से एक पर हमला बोल दिया। अकेले पड़ जाने की वजह से वह बैल शेर का मुकाबला नहीं कर पाया और शेर ने उसे मार डाला। कुछ दिनों के बाद शेर ने दूसरे बैल पर भी हमला कर दिया और उसे मारकर खा गया। अब सिर्फ एक बैल बचा था। वह समझ गया था कि शेर अब उसको भी मार डालेगा। उसके पास बचने की कोई उम्मीद नहीं थी। वह अकेले शेर का मुकाबला नहीं कर सकता था। एक दिन जब वह जंगल में घास चरने गया था, तो शेर ने उसे भी अपना शिकार बना लिया। शेर की चाल पूरी तरह कामयाब हुई और उसने तीनों बैलों की दोस्ती तोड़कर उन्हें अपना शिकार बना लिया था।

कहानी से सीख- एकता में बड़ी ताकत होती है। हमें हमेशा आपस में मिलकर रहना चाहिए और दूसरों की बातों में नहीं आना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष कोर्ट-कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। झंझटों में न पड़ें। उधार दिया धन मिलने से राहत हो सकती है। वाहन सावधानी से चलाएं।

वृषभ चोट, चोरी व विवाद से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कुसंगति से हानि होगी। अपने काम से काम रखें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

मिथुन राजकीय बाधा दूर होकर लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। रुके हुए काम समय पर पूरे होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

कर्क भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभ देंगे। रोजगार मिलेगा। शत्रु भय रहेगा। निवेश व नौकरी लाभ देंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। कार्य के विस्तार की योजनाएँ बनेंगी।

सिंह रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी।

कन्या उतेजना पर नियंत्रण रखें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। शोक समाचार मिल सकता है। थकान महसूस होगी। व्यावसायिक चिंता रहेगी। संतान के व्यवहार से कष्ट होगा।

तुला रोमांस में समय बीतेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

वृश्चिक अतिथियों का आवागमन रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बना रहेगा। नई योजनाओं की शुरुआत होगी। संतान की प्रगति संभव है।

धनु बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। जोखिम न लें। क्रोध एवं उतेजना पर संयम रखें। सत्कार्य में रुचि बढ़ेगी।

मकर कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्ययवृद्धि होगी। तनाव रहेगा। अपरिचितों पर विश्वास न करें। प्रयास में आलस्य व विलंब नहीं करना चाहिए।

कुम्भ दिन प्रेमभरा गुजरेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रुका हुआ धन मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। प्रियजनों से पूरी मदद मिलेगी।

मीन नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें। कार्यक्षमता एवं कार्यकुशलता बढ़ेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

श्रीकांत को नेशनल अवॉर्ड मिले तो अच्छा है: राजकुमार राव

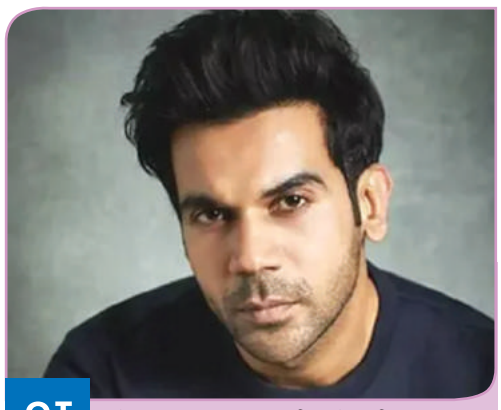

अभिनेता राजकुमार राव अपनी आने वाली फिल्म श्रीकांत को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। अब इस फिल्म का एक गाना पापा कहते हैं लॉन्च किया गया। यह गाना आमिर खान की फिल्म कयामत से कयामत तक के ऑरिजनल सॉन्ग का रीमेक है। इस गाने की लॉन्चिंग के दौरान इवेंट में आमिर खान भी मौजूद रहे। इस दौरान जब राजकुमार राव से पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि फिल्म श्रीकांत के लिए उन्हें नेशनल अवॉर्ड मिलना चाहिए। निर्देशक तुषार हीरानंदानी की फिल्म श्रीकांत बिजनेसमैन श्रीकांत बोला की बायोपिक है। श्रीकांत बोला एक भारतीय उद्योगपति और बोलैंट इंडस्ट्रीज के संस्थापक हैं। वह मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में प्रबंधन विज्ञान में पहले अंतरराष्ट्रीय दृष्टिबाधित छात्र हैं। इस फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे बचपन से नेत्रहीन होने के बावजूद उनके सपनों ने इतनी ऊंची उड़ान भरी जिसके बारे में अच्छे-अच्छे लोग सोच भी नहीं पाते। उन्होंने अपने दम पर उन सपनों को पूरी भी किया और दुनिया के लिए एक मिसाल कायम की। इस फिल्म के ट्रेलर ने सबका दिल जीत लिया है और अब इसके पहले गाने पर भी फैंस का जमकर रिस्पांस देखने को मिला। इस फिल्म में राजकुमार के साथ अलावा एफ नजर आएंगी। फिल्म के दौरान एक इंटरव्यू में जब राजकुमार राव से एक पत्रकार ने कहा कि उन्होंने सुना है कि फिल्म श्रीकांत के लिए राजकुमार को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिल सकता है। तो ऐसे में अभिनेता ने कहा, आपके मुंह में घी शक्कर, आ जाए तो अच्छा ही है। इसके बाद राव ने कहा कि अगर वाकई में उन्हें इस फिल्म के नेशनल अवॉर्ड मिल जाता है तो वह एक शानदार पार्टी देंगे फिर सबके लिए। 2013 में राजकुमार राव को फिल्म शाहीद के लिए नेशनल अवॉर्ड मिल चुका है। भूषण कुमार इस फिल्म के निर्माता हैं। यह फिल्म 10 मई 2024 को रिलीज होगी।

नोरा फतेही का पैपराजी पर फूटा गुस्सा

बॉलीवुड सितारों की वैसे तो हर गतिविधि को पैपराजी कवर करते हैं। उनकी तस्वीरें और वीडियो निकालते हैं। पैपराजी के साथ सितारों की बातचीत भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल होती है। कभी-कभी पैपराजी उनकी कुछ प्राइवेट तस्वीरों और वीडियोज को भी सोशल मीडिया पर साझा कर देते हैं। हाल ही में, कई अभिनेत्रियों ने पैपराजी के उनके शरीर के कई अंगों पर कैमरा फोकस करने को लेकर निंदा की है। कुछ दिनों पहले एक अवॉर्ड शो के दौरान अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने पैपराजी को अपनी फोटो खींचने से उस वक्त मना कर दिया जब उन्होंने अभिनेत्री की तस्वीर पीछे से लेने के लिए कहा। अब अभिनेत्री नोरा फतेही ने भी इस मुद्दे पर खुलकर बातचीत की है। टीवी अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी भी पैपराजी को फटकार लगा चुकी हैं। दरअसल, पैपराजी ने पलक के मना करने के बावजूद उनकी तस्वीर बैक साइड से निकालने की कोशिश की थी। अब अभिनेत्री नोरा फतेही ने भी पैपराजी के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर की है। हाल ही में दिए गए एक साक्षात्कार में अभिनेत्री नोरा फतेही ने पैपराजी के उनके शरीर के कुछ खास अंगों पर बेवजह फोकस करने को लेकर अपनी नाराजगी जताई है। अभिनेत्री ने इस पर खुलकर अपने विचार रखे हैं। नोरा ने कहा कि मुझे लगता है कि उन्होंने इससे पहले कभी ऐसा नहीं देखा। ऐसा नहीं है कि वो सिर्फ मेरे साथ ऐसा कर रहे हैं, वह दूसरी अभिनेत्रियों के साथ भी ऐसा ही कर रहे हैं। नोरा फतेही से जब पूछा गया कि वह इससे कैसे निपटती हैं? इस पर अभिनेत्री ने कहा कि हो सकता है कैमरामैन गलत इरादे से फोकस कर रहा हो, लेकिन यह अलग विषय है। वह हर एक को पकड़कर समझा नहीं सकतीं।

बोलीं- 'ऐसा लगता है उन्होंने कभी कुछ देखा ही नहीं'

पूरा बॉलीवुड किराए पर है: आयुष्मान

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड सितारे अपने लुक को लेकर काफी गंभीर रहते हैं। वह अपने मेकअप से लेकर अपने ड्रेस तक का खास ख्याल रखते हैं। आकर्षक दिखने के लिए वे हमेशा कुछ ना कुछ नया करते रहते हैं। ज्यादातर अभिनेता या अभिनेत्री एक ड्रेस को पहनने के बाद दोबारा नहीं पहनते। हाल ही में एक इंटरव्यू में अभिनेता आयुष्मान खुराना ने बॉलीवुड में किराए के चलन पर बात की।

अभिनेता बॉलीवुड सितारों के कपड़ो को लेकर हैरान करने वाला खुलासा किया है। अभिनेता ने बताया कि यह एक खुला रहस्य है। अधिकांश बॉलीवुड हस्तियां ट्रेंड के साथ बने रहने के लिए कपड़े खरीदने के बजाय उन्हें किराए पर लेती हैं। इस दौरान उन्होंने अपने भाई और अभिनेता अपारशक्ति खुराना से जुड़ा एक किस्सा भी साझा किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभिनेता ने किराए के ट्रेंड के बारे में बात करते हुए एक यूट्यूब चैनल से साक्षात्कार में कहा, 'पूरा बॉलीवुड किराए पर है। आपको लगता है हम कपड़े खरीदते हैं? हम स्टाइलिस्टों को काम पर रखते हैं, उनसे कपड़े लेते हैं और वापस कर देते हैं। हम इतने सारे कपड़े कहां से लेंगे'। आयुष्मान ने दिलजीत दोसांझ के स्टाइल और उनकी वैश्विक पहुंच की सराहना करते हुए आगे कहा, 'मुझे दिलजीत दोसांझ का स्टाइल पसंद है। मैं पंजाब से खुश हूं, वह इसे वैश्विक मंच पर ले गया है। वह बहुत अच्छा है'।

अभिनेता ने अपने भाई अपारशक्ति के फैशन सेंस के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि मुझे फैशन का शौक नहीं है। मैं बहुत सरल जीवन जीता हूं, लेकिन अगर आपको अपने काम के लिए अलग-अलग लुक रखना है तो यह आपके पेशे का हिस्सा है। मेरे भाई अपारशक्ति को फैशन पसंद है।

वह ये काम बहुत अच्छे से कर लेते हैं। अभिनेता ने आगे बताया कि जब वह शुरुआती दिनों में एंकरिंग किया करते थे तब उनकी स्टाइलिंग उनके भाई अपारशक्ति ही किया करते थे। आयुष्मान आखिरी बार 'ड्रीम गर्ल 2' में दिखे थे। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। हालांकि, अभिनेता ने अभी तक अपने किसी आगामी कार्य को लेकर कोई घोषणा नहीं की है।

अजब-गजब | मां ने बेटी के जन्मदिन पर मेहमानों के लिए बनाए अजीब नियम

गिफ्ट की जगह मांग लिया कैश

जन्मदिन मनाने के तरीके दुनिया के देशों में कुछ तरह से अलग हो ही जाते है। फिर जन्मदिन की पार्टी में कुछ बातें असामान्य हो जाती है। ऐसा ही कुछ एक महिला के साथ जब उसकी बेटी जन्मदिन की पार्टी की असामान्य सी बातों पर लोगों ने उसकी सोशल मीडिया पोस्ट को वायरल कर दिया। दो बच्चों की मां रेचेल ने अपनी बेटी के जन्मदिन के जश्न मेंअपने कठोर नियमों को समझाने के कोशिश की।

उसकी इस पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए कुछ ने मां की सख्त यात्रा कार्यक्रम की सराहना की। दूसरों ने उन पर अब तक का 'सबसे खराब' कार्यक्रम आयोजित करने का आरोप लगा दिया। टिकटॉक पर राचेल ने स्पष्ट किया कि मेहमानों को तुरंत सुबह 9.30 बजे पहुंचना चाहिए और केवल डेढ़ घंटे के लिए रुकना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं चाहती हूं कि आप सभी को पता चले कि मैं आपको पूरे दिन अपने घर पर नहीं चाहती। महिला की बेटी के जन्मदिन को लोगों ने बहुत ही खराब जन्मदिन करार दिया था। मैं आपसे यह उम्मीद नहीं करती कि आप किसी बच्चे के जन्मदिन की पार्टी के लिए अपना पूरा शनिवार गंवा देंगे, जो इसे याद भी नहीं रखेगा। अन्य नियमों में कुछ 'स्नैक्स' के अलावा खाना न परोसना, गेम न खेलना और उपहारों के बदले नकदी मांगना शामिल है। मां ने लिखा कि उसने निमंत्रण पत्र पर विशेष रूप से 'कृपया उपहार न लाएं' लिखा है।

वह हेजल पेज के जन्मदिन के लिए हैरी पॉटर-थीम वाली पार्टी रख रही है निमंत्रण पर उसने कहा कि एचपी एक कोई घरेलू नौकरानी जैसी नहीं है इसलिए उसे कपड़ों की जरूरत नहीं है। उसने मेहमानों से कहा कि यदि वे कुछ लाने के इच्छुक हैं तो 400 रुपये देने पर विचार करें क्योंकि वह अपने घर के पिछवाड़े को फिर से तैयार करने की तैयारी कर रहे है।

विवादास्पद नियमों ने हजारों यूजर्स का ध्यान खींचा, जिनमें से कई ने मां की उनकी खतरनाक पार्टी योजनाओं के लिए आलोचना की। एक यूजर ने नाराज हो कर कहा कि इस महिला को अविभावक नहीं बनना चाहिए। वहीं सैकड़ों लोगों ने इस मां के नजरिए का बचाव किया कई यूजर्स ने नियमों को सही करार दिया।

चुनाव लड़ने का शौक है, 10 हार के बाद 11वीं बार मैदान में उतरा शख्स

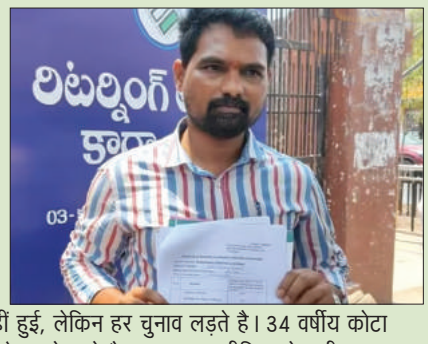

देशभर में लोकसभा चुनाव की तैयारी जोरो-शोरो से चल रही है। पहले चरण का मतदान भी हो गया है। जिसमें 102 सीटों पर वोटिंग हुई है। जहां कुछ प्रत्याशी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं, वहीं कुछ प्रत्याशी निर्दलीय मैदान में है। इस चुनाव में भी एक ऐसा निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में हैं, जो मात्र 34 की उम्र में 10 बड़े चुनाव लड़ चुके है। हालांकि जीत अभी तक नसीब नहीं हुई, लेकिन हर चुनाव लड़ते है। 34 वर्षीय कोटा श्याम कुमार तेलंगाना के करीमनगर के रहने वाले है। इनका राजनीतिक क्षेत्र भी करीमनगर ही है। 2018 में कोटा श्याम कुमार पहली बार करीमनगर विधानसभा से चुनाव लड़ा थे। 2018 में ये सिलसिला शुरू हुआ और श्याम कुमार बैक टू बैक लगातार 10 चुनाव लड़े और अब 11 वीं चुनाव के लिए कल पर्चा दाखिला भी कर दिया है। नॉमिनेशन के बाद लोकल 18 से बात करते हुए श्याम कुमार ने बताया कि उनका मकसद इस लोकतंत्र को बचाने का है। आज के समय में चुनाव वहीं लड़ सकता है जिसके पास धनबल हो, श्याम इस संकीर्ण मानसिकता को खत्म करना चाहते है। आज के समय में जहां वोटर शराब व अन्य लालच में आकर वोट कर रहे है। ऐसे में वह इसलिए भी चुनाव लड़कर इस मिथ्य को तोड़ना चाहते है। श्याम कुमार के चुनाव प्रचार करने का तरीका अलग है। अपने कैंपेन के दौरान श्याम कुमार महंगे गाड़ी का इस्तेमाल नहीं करते है। बल्कि ये खुद कभी बाबा साहेब अंबेडकर की पोशाक में पोस्टर लेकर अपना प्रचार करते हैं, तो कभी भगत सिंह की स्टाइल में, राष्ट्रगान गाते हुए ये लोगों से अपने मत के अधिकार को इस्तेमाल करने की अपील करते है। वहीं श्याम कुमार ने बताया कि वर्तमान राजनीति में युवा अपनी भागीदारी को सुनिश्चित नहीं कर रहे है। इससे लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन हो रहा है। मतदाताओं को अपने वोट के अधिकार को शराब, पैसे, बिरयानी के लिए नहीं बेचना चाहिए और सही उम्मीदवार को चुनकर युवाओं के भविष्य के लिए सुनहरा रास्ता तैयार करना चाहिए। आगे इन्होंने बताया कि इन्हें पिछले चुनाव के हार का कभी बुरा नहीं लगा। अंत इन्होंने ये कहां का जब तक जिंदा रहूंगा लोकतंत्र की रक्षा के लिए चुनाव लड़ता रहूंगा।

कांग्रेस के घोषणापत्र से बीजेपी जली : चिदंबरम

» बोले- भाजपा का 400 पार का गणित समझ से बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने कहा कि भाजपा का 400 पार का गणित समझ से बाहर है। भाजपा तमिलनाडु में 25 की 25 सीटें हार रही है। केरल में भी भाजपा को सभी 20 सीटों पर हार का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में 400 सीटें पार किस आधार पर कहा जा रहा है, इसकी जानकारी नहीं है। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में किसी मामले की सुनवाई को लेकर चिदंबरम शिमला आए हुए थे। इस दौरान उन्होंने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन शिमला पहुंचकर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ भी कुछ समय बिताया।

बातचीत में कहा कि कांग्रेस की गारंटियों और घोषणापत्र की देशभर में चर्चा हो रही है। इससे भाजपा नेताओं को इर्ष्या हो रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, निर्धन मुस्लिम, गरीब हिंदू व इसाई और गरीबों की बात की गई है। इसके चलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा को कांग्रेस के मेनिफेस्टो पर आपत्ति है। उन्होंने कहा कि मैंने खुद तमिलनाडु में चुनाव प्रचार किया है।

दूरदराज के गांव में भी कांग्रेस के मेनिफेस्टो की चर्चा

इस दौरान दूरदराज के गांव में भी कांग्रेस के मेनिफेस्टो की चर्चा हो रही है। कांग्रेस के घोषणापत्र में हर वर्ग को राहत और न्याय देने की बात कही गई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने भाजपा के घोषणापत्र का शीर्षक ही मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा किसी भी राजनीतिक दल का मेनिफेस्टो मोदी की गारंटी नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री मोदी को भी कांग्रेस का मेनिफेस्टो पढ़ना चाहिए। चिदंबरम ने कहा कि भाजपा ने खुद इलेक्ट्रोल बांड से 8500 करोड़ रुपये का चंदा लिया है और कांग्रेस के बैंक खाते फ्रीज कर उन्हें हैंडिकैप्ड जरूर बनाया है। लेकिन कांग्रेस की ओर से जनता खुद चुनाव लड़ रही है और चुनाव में भाजपा को इसका जवाब मिल जाएगा।

ध्यान भटकाने के लिए उछाले जा रहे विभाजनकारी मुद्दे : अलका लांबा

अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्का लांबा ने मंगलवार को पीएम मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी बुनियादी मुद्दों पर बात नहीं करते। वह विभाजनकारी मुद्दे उठाकर असली मुद्दों से ध्यान भटकाने को कोशिश कर रहे हैं। अल्का जम्मू लोकसभा सीट की रियास क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी रमण भल्ला के प्रचार के लिए पहुंचीं। अलका लांबा ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने से पहले वर्ष 2014 में हर वर्ष दो करोड़ युवाओं को सरकारी नौकरी देने का वायदा किया गया था, लेकिन आज भी युवा वर्ग बेरोजगारी का दंश झेल रहा है। महंगाई को हर वर्ग के लोगों को झेलना पड़ रहा है। बाबा साहेब आंबेडकर के संविधान को बदलने को कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों से युवाओं के साथ महिला वर्ग भी परेशान है। भाजपा सरकार लोगों की भावनाओं के साथ खेल रही है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा कहीं भी नहीं दिख रहा है। बेटियों को आज भी सुरक्षा देने की जरूरत है। कांग्रेस नेता

लांबा ने कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र को न्याय पत्र नाम दिया है जिस में सभी वर्ग खास कर युवा और महिलाओं के लिए कई योजनाएं रखी गई हैं। केंद्र से कांग्रेस की सरकार आते ही महिलाओं के खाते में हर साल एक लाख रुपए दिए जाएंगे। वहीं, बेरोजगारी को दूर करने के लिए सरकारी नौकरी निकाली जाएगी।

कांग्रेस पार्टी में प्रवेश कर गई जिन्ना की आत्मा : बिंदल

कांग्रेस पार्टी पूरे देश में मुस्लिम लीग के नक्शेकदम पर चल रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि मोहम्मद अली जिन्ना की आत्मा कांग्रेस में प्रवेश कर गई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि केरल में मुस्लिम लीग जो कांग्रेस की सहयोगी है और जिसके बारे में राहुल गांधी ने कहा था कि यह शुद्ध पवित्र लोग हैं, उन्होंने केरल की सड़कों पर हिंदू विरोधी नारे लगाए। उस पर कांग्रेस की ओर से कोई टिप्पणी न किया जाना, इस बात को साबित करता है कि कांग्रेस मुस्लिम लीग के समर्थन में खड़ी है। डॉ. बिंदल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का घोषणापत्र केवल और केवल एक धर्म विशेष के तुष्टीकरण के साथ भरा पड़ा है।

घबराहट में मप्र के सीएम बदल रहे रंग : जीतू पटवारी

» बोले- आका की उम्मीदों पर खरा उतरने का दबाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। जीतू पटवारी ने सीएम मोहन यादव को लेकर कहा है कि उनकी आवाज और अंदाज बदले हुए नजर आ रहे हैं। मध्यप्रदेश में नफरत की दुकान बिलकुल नहीं चलती है और वो इस दुकान में गुजरात का सामान भरने की कोशिश न करें।

पटवारी ने एक्स पर लिखा है कि आका की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए आपने भी रंग बदल लिया। मुझे तो लगा था कि पहले दौर के मतदान से केवल मोदीजी ही डरे हुए हैं। आपकी आवाज और अंदाज में जो बदलाव दिखाई दे रहा है, वह भी उसी डर को जता-बता रहा है! पहले संदेह था अब पुख्ता यकीन हो गया है कि प्रधानमंत्री जी की तरह आपका सॉफ्टवेयर भी 2014 के बाद से अपडेट नहीं हुआ है। तभी तो चुनाव आते ही हिंदू-मुस्लिम और झंडे के कलर आपको भी याद आने लग गए, फरमान मिलते ही कुछ भी बोलने लग गए।

प्रधानमंत्री के जिस झूठ पर पूरा देश आश्चर्य व्यक्त कर रहा है, दुनिया के मीडिया के साथ देश का गोदी मीडिया भी प्रमाणिक तौर पर खंडन कर रहा है, उसे बेबुनियाद झूठ को यदि 36 घंटे बाद भी आप दोहरा रहे हैं, तो यह फिर आपकी समझ पर उठने वाला सवाल है।

मोहन भैया, अपने मध्यप्रदेश में नफरत की दुकान पर ग्राहक बिल्कुल नहीं आते हैं। पता नहीं आप इस दुकान में गुजरात का सामान क्यों भरना चाहते हैं। यहां प्रेम, विश्वास, भाईचारे का माहौल है., यह चुनाव भी थोड़े दिन में खत्म हो जाएंगे, फिर जुबान में ऐसा जहर क्यों? यदि आपको हैडलाइंस के लिए भाषण ही देना है, या पर्ची की खर्ची के रूप में भक्ति-गान को स्वर देना है, तो गुजरात घराने के पास ढेर सारे झूठे सपने हैं।

नगर निगम की लापरवाही से उजड़ी मां की कोख

लखनऊ में 8 साल का बच्चा सीवर में गिरा, प्रसाद लेकर जा रहा था घर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक बार फिर नगर निगम व जलकल विभाग की लापरवाही सामने आई है। उनकी नजअंदाजी की वजह से एक मां ने अपना लाल खो दिया। लखनऊ के जानकीपुरम इलाके में 8 साल का बच्चा सीवर के मैनहोल में गिर गया। जिससे उसकी मौत हो गई। नगर निगम, जल कल और स्थानीय थाने की टीम ने करीब 3 घंटे के बाद रेस्क्यू कर शव बरामद किया। पुलिस ने बच्चे के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

हादसे की जानकारी होते ही नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह भी मौके पर पहुंचे। इंद्रजीत सिंह ने कहा कि यहां पर एसके कंस्ट्रक्शन नाम की फॉर्म कम कर रही है। अपर नगर आयुक्त ललित कुमार को मुकदमा दर्ज कराने का आदेश दे दिया गया है। एक कमेटी बना दी गई है। बच्चे की पहचान शाहरुख पुत्र सैफुद्दीन के रूप में हुई है। वह सीतपुर के अकबरपुर थाना लहरपुर का रहने वाला था। लखनऊ में परिवार के साथ जानकीपुरम सेक्टर 7 में रह रहा था।

पुलिस अधिकारी बनना चाहता था शाहरुख

शाहरुख के घर वालों ने बताया कि

बेटा बड़ा होकर पुलिस में अधिकारी बनना चाहता था। इसलिए उसने पुलिस की ड्रेस में फोटो भी खिंचवाई थी। इसलिए परिवार के लोग पढ़ाई लिखाई पर विशेष ध्यान दे रहे थे।

40 मिनट बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची

स्थानीय लोगों के मुताबिक, बच्चा हनुमान जयंती के भंडारे से प्रसाद लेने के बाद पैदल घर जा रहा था। सीवर का मैनहोल खुला था, उसे देख नहीं पाया और गिर गया। उसके साथ उसकी दो बहनें खुशबू और जोया भी थीं। शाहरुख के सीवर में गिरते ही दोनों चिल्लाने और रोने लगीं। तभी वहां से कुछ लड़के गुजर रहे थे। बच्चियों से रोने के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि उनका भाई सीवर में गिर गया है। इसके बाद उन लड़कों ने भी झांक कर देखा तो कुछ नजर नहीं आया। उन्हीं लड़कों में से एक ने 1.40 बजे 100 नंबर पर डायल किया, लेकिन कोई रिस्पॉन्स नहीं मिला।

तीन महीने से खुला था मैनहोल

स्थानीय सुनील ने बताया कि करीब 3 महीने से मैनहोल खुला हुआ था। इसकी जानकारी नगर निगम और जल निगम को भी दी गई थी, लेकिन किसी ने सीवर को ढका नहीं। आज इसमें गिर कर बच्चे की मौत हो गई। वहीं नाराज लोगों ने कहा कि नगर निगम कुछ काम नहीं करता है।

लखनऊ ने चेन्नई को उसके घर में धोया

ऋतुराज पर भरी पड़ी स्टॉयनिस की शतकीय पारी, एलएसजी नंबर 4 पर हुई काबिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में लखनऊ और चेन्नई के बीच आईपीएल 2024 का 39वां मुकाबला खेला गया। इस मैच में ओस और मार्कस स्टॉयनिस ने सीएसके का खेल बिगाड़ दिया, जिसके बाद एलएसजी ने उसे 6 विकेट से धो दिया। इस दौरान मार्कस स्टॉयनिस ने 63 गेंदों में नाबाद 124 रन की धमाकेदार पारी खेली।

वहीं पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई की तरफ से कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के नाबाद शतक और शिवम दुबे के बीच चौथे विकेट के लिए 46 गेंद में 104 रन की शानदार साझेदारी हुई। जिससे चेन्नई ने चार विकेट पर 210 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया था लेकिन एलएसजी ने 19.3 ओवर में चार विकेट पर 213 रन बना कर यादगार जीत दर्ज की। सीएसके के लिए गायकवाड़ ने 60 गेंद की नाबाद पारी में 12 चौके और तीन छक्के लगाये दुबे ने 27 गेंद की ताबड़तोड़ पारी में सात छक्के और तीन चौके लगाये। दोनों की शानदार साझेदारी से टीम पावर प्ले में धीमी बल्लेबाजी (दो विकेट पर 49) से उबरने में सफल रही। मैन ऑफ द मैच स्टोइनिस ने 63 गेंद की नाबाद पारी में 13 चौके और छह छक्के लगाकर लक्ष्य का पीछा करते हुए आईपीएल का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बनाया।

सुपरकिंग्स ने बनाया था बड़ा स्कोर

इसके साथ ही चेन्नई के मैदान में सफलतापूर्वक लक्ष्य का पीछा करते हुए एलएसजी ने सबसे बडा स्कोर बनाया। स्टोइनिस को आखिरी ओवरों में निकोल्स पूरन (15 गेंद में 35 रन) और दीपक हुड्डा (छह गेंद में नाबाद 17 रन) का अच्छा साथ मिला जिससे एलएसजी ने अपनी पारी के आखिरी 5.3 ओवर में 87 रन जुटाये। लक्ष्य का बचाव करते हुए दीपक चाहर(11 रन पर एक विकेट) ने पहले ओवर में क्विंटन डिकॉक को खाता खोले बिना बोल्ड किया। लोकेश राहुल ने तुषार देशपांडे के खिलाफ छक्का जड़ा लेकिन मुस्ताफिजूर रहमान (51 रन पर एक विकेट) ने उनकी 16 रन की पारी पर विराम लगाया। स्टोइनिस ने इस बीच चाहर और इंपैक्ट प्लेयर शारदुल ठाकुर के खिलाफ दो-दो चौके लगाये जिससे पावर प्ले में एलएसजी ने दो विकेट पर 45 रन बना लिये। जरूरी रनगति को कम करने के लिए स्टोइनिस ने जडेजा और मोईन अली की गेंदों को दर्शकों तक पहुंचाया और फिर दो रन दौड़कर महज 26 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया।

सुप्रीम फटकार के बाद बाबा रामदेव ने किया 'माफी योग'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» अदालत से बोले- दोबारा ऐसा नहीं होगा, हम माफी मांगते हैं

» पतंजलि ने अखबारों में छपवाया बड़ा माफीनामा

नई दिल्ली। योग गुरु रामदेव और उनके सहयोगी आचार्य बालकृष्ण ने बुधवार को पतंजलि के औषधीय उत्पादों के भ्रामक विज्ञापनों के लिए प्रमुख समाचार पत्रों में एक ताजा माफीनामा प्रकाशित किया। इस बार, माफ़ी का आकार बड़ा था क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने इसे पहले प्रमुखता से प्रदर्शित नहीं करने के लिए दोनों की खिंचाई की थी।

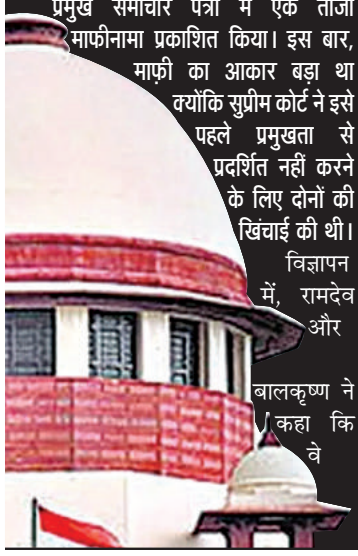

विज्ञापन में, रामदेव और बालकृष्ण ने कहा कि वे भारत के सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों/आदेशों का पालन न करने या अवज्ञा के लिए अपनी व्यक्तिगत क्षमता के साथ-साथ पतंजलि आयुर्वेद की ओर से बिना शर्त माफी मांगते हैं। माफीनामे में कहा गया है, हम अपने विज्ञापनों को प्रकाशित करने में हुई गलती के लिए ईमानदारी से माफी मांगते हैं और यह हमारी पूरी प्रतिबद्धता है कि ऐसी त्रुटियां दोबारा नहीं दोहराई जाएंगी। मंगलवार को भ्रामक विज्ञापन मामले से संबंधित अवमानना कार्यवाही की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पूछा था कि क्या पतंजलि द्वारा अखबारों में दी गई माफी का आकार उसके उत्पादों के पूरे पेज के विज्ञापनों के समान था। रामदेव और बालकृष्ण ने न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ को बताया था कि उन्होंने भ्रामक विज्ञापनों को लेकर 67 अखबारों में बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगी है और वे अपना दुख व्यक्त करते हुए अतिरिक्त विज्ञापन जारी करने को तैयार हैं। उन्होंने दावा किया कि विज्ञापन की कीमत 10 लाख रुपये है।

मणिपुर में पुल पर विस्फोट आवागमन बाधित

» नागालैंड से जोड़ने वाला है पुल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में एक पुल को क्षतिग्रस्त करने वाले तीन मध्यम तीव्रता वाले विस्फोटों की सूचना मिली है। ये विस्फोट इम्फाल को नागालैंड के दीमापुर से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-2 पर सापरमीना के पास हुए। यह लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से दो दिन पहले आता है, जो बाहरी मणिपुर के कुछ हिस्सों में होगा। एक सुरक्षा अधिकारी की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 1:15 बजे कांगपोकपी जिले में सपोरमीना के पास यह घटना घटी।

वोटिंग से दो दिन पहले हुई घटना

अधिकारी ने बताया कि अभी तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है और जांच जारी है। सुरक्षा बलों ने घटनास्थल के साथ-साथ आस-पास के इलाकों को भी सील कर दिया है और अतिरिक्त पुलों पर जांच चल रही है। भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, जिससे क्षेत्र में यात्रियों को परेशानी हो रही है। 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान के दौरान, मणिपुर के कुछ हिस्सों में हिंसा की घटनाएं सामने आईं, क्योंकि उपद्रवियों ने राज्य के एक मतदान केंद्र पर गोलीबारी की, जिससे दहशत और अशांति फैल गई। कुछ हिस्सों में ईवीएम को नष्ट कर दिया गया और जबरदस्ती और डराने-धमकाने के आरोप लगाए गए। लोकसभा चुनाव के शुरुआती चरण के समापन के बाद, मणिपुर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) रामानंद नोंगमेइकापम ने घोषणा की कि 22 अप्रैल को आंतरिक मणिपुर लोकसभा क्षेत्र के 11 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान होगा। खुरई विधानसभा क्षेत्र में मोइरंगकम्पु साजेब अपर प्राइमरी स्कूल और एस. इबोबी प्राइमरी स्कूल (ईस्ट विंग), क्षेत्रीगाओ में चार, थोंगजू में एक, उरीपोक में तीन और कोंथौजम में एक शामिल हैं।

बांदीपोरा में गोलीबारी सेना के दो जवान घायल

» आतंकवादियों और सेना के बीच मुठभेड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। बांदीपोरा के रांगी जंगलों में आतंकवादियों और सेना के बीच थोड़ी देर गोलीबारी हुई। सेना के दो जवान घायल हो गए, दोनों की हालत स्थिर बताई जा रही है।

एक शीर्ष पुलिस अधिकारी के अनुसार, इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद सेना बांदीपोरा के रंगी जंगलों के ऊपरी इलाकों में तलाशी अभियान चला रही थी। तलाशी अभियान के दौरान, छिपे हुए आतंकवादियों ने तलाशी दल पर गोलीबारी की, जिससे दो सैनिक मामूली रूप से घायल हो गए। दोनों घायल जवानों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया और वे सुरक्षित बताए जा रहे हैं। कश्मीर जोन पुलिस ने एक्स को बताया, अरागाम, बांदीपुरा के रेन्जी वन क्षेत्र में सुबह-सुबह सआतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच संपर्क स्थापित हुआ। घटना के जवाब में, अतिरिक्त बलों को मौके पर भेजा गया है और छिपे हुए आतंकवादियों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है। सुरक्षा बल इलाके में हाई अलर्ट पर हैं और अपराधियों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

भाजपा ने 370 हटाकर जनता का दर्द बढ़ाया : महबूबा

चुनाव में असफलता के डर से हिंदू-मुसलमान को लड़ाने में जुटी बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू-कश्मीर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कांग्रेस के खिलाफ संपत्ति वितरण पर की गई टिप्पणी को लेकर सियासत गरमा गई है। फारूक अब्दुल्ला के बाद पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। महबूबा ने कहा कि चुनाव में असफलता के डर से भाजपा हिंदू और मुसलमान को लड़ाने में जुट गई है। सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है।

महबूबा ने कहा, कि भाजपा 400 पार और 370 पार के जो नारे लगा रही थी, वे असफल हो गए हैं। भाजपा मंगलसूत्र की बात करती है और कहती है कि कांग्रेस सब कुछ दे देगी। मुसलमानों में सांप्रदायिक माहौल बनाया जा रहा है। मुझे लगता है कि भाजपा-एनडीए को पता है कि नतीजे इंडिया गठबंधन के पक्ष में होंगे। युवा महंगाई और रोजगार की बात करने वाले के साथ हैं। ऐसे में भाजपा हिंदू-मुसलमान को लड़ाने में जुटी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने 370 हटाकर प्रदेश की जनता के दर्द को बढ़ाया है। पीर पंजाल के लोग अब ऐसी आवाज चाहते हैं, जो दिल्ली का मुकाबला कर सके। उन्होंने कहा कि मैंने हर वक्त जनता का साद दिया। उनके हर दुख दर्द में खड़ी रही, अब मुझे अवाम के साथ की जरूरत है। महबूबा मुफ्ती ने कहा - बिजबिहाड़ा-सिरहामा मेरा घर है। भाजपा की ओर से अन्य पार्टियों को खड़ा करने और उन्हें समर्थन देने के सवाल पर पीडीपी अध्यक्ष ने कहा की कोई भी मुकाबला किसी भी उम्मीदवार के लिए चुनौतीपूर्ण रहता है। लेकिन मैं यहां से लेकर पीर पंजाल तक प्यार देख रही हूं।

पीएम मोदी की टिप्पणी अफसोसजनक : फारूक

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने पीएम मोदी के संपत्ति के वितरण संबंधी टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की टिप्पणी पर उन्हें अफसोस है। उन्होंने कहा कि इस्लाम धर्म सबके साथ मिलकर चलना सिखाता है। उनके धर्म ने उन्हें कभी भी दूसरे धर्मों को नीचा देखना नहीं सिखाया, बल्कि हमेशा सम्मान करना सिखाया है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा, कि इस्लाम धर्म में लिखा है कि जैसे अपने धर्म की इज्जत की जाती है वैसे ही दूसरे धर्मों की भी इज्जत करो। ऐसा समय कभी नहीं आएगा कि एक मुस्लिम किसी मां बहन का मंगलसूत्र छीनेगा। वो मुसलमान नहीं है। वो कभी इस्लाम को समझता नहीं है।

पीएम मोदी के बयान की जांच करेगा चुनाव आयोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने कहा है कि वह राजस्थान में एक रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए भाषण के खिलाफ की गई शिकायत की जांच कर रहा है। दरअसल, पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था, अगर केंद्र में विपक्षी कांग्रेस की सत्ता आती है तो लोगों की संपत्ति, जमीन और सोना मुसलमानों के बीच बांट देगी।

चुनाव आयोग के सूत्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री के भाषण के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई है और आयोग के विचाराधीन है। पीएम मोदी के इस बयान को लेकर कांग्रेस ने सोमवार 23 अप्रैल को चुनाव आयोग से मुलाकात की है। कांग्रेस ने यहां औपचारिक रूप से पीएम मोदी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए एक्शन की मांग की है। चुनाव आयोग को दी गई शिकायत में कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने ग्रुप के बीच दूरी पैदा करने के लिए धर्म और धार्मिक प्रतीकों का इस्तेमाल किया है। टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

लेफ्ट ने भी की शिकायत

इस मामले पर लेफ्ट पार्टी सीपीआई (एम) के महासचिव सीताराम येचुरी ने भी चुनाव आयोग को पत्र लिखकर भड़काऊ टिप्पणी के लिए पीएम के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इंडिया ब्लॉक की पार्टियों ने भी एक सामुहिक प्रयास में नागरिकों से इस मुद्दे को उठाते हुए चुनाव आयोग को ईमेल भेजने के लिए कहा है। सोमवार को चुनाव आयोग ने इस मामले में

हेमंत सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट से लगाई मदद की गुहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हेमत सोरेन ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए जमानत की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। सुप्रीम कोर्ट में हेमंत सोरेन की तरफ से उनके वकील कपिल सिब्बल पहुंचे और कहा कि झारखंड हाईकोर्ट ने हेमंत सोरेन की जमानत पर फैसला सुरक्षित रखा हुआ है लेकिन हाई कोर्ट फैसला नहीं सुना रहा है।

उन्होंने कहा, ऐसे में हेमंत सोरेन चुनाव प्रचार में हिस्सा नहीं ले पा रहे हैं, इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कपिल सिब्बल से कहा कि वो चीफ जस्टिस के सचिवालय में इस मामले को भेज सकते हैं, वही तय करेंगे कि याचिका पर कब सुनवाई की जाएगी। गौरतलब है कि झारखंड हाई कोर्ट ने हेमंत सोरेन की तरफ दाखिल याचिका में ईडी की तरफ से अपनी गिरफ्तारी को चुनोती देते हुए जमानत की मांग की है। जिस पर हाई कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रखा हुआ है लेकिन इसे अभी सुनाया नहीं है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।